www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 73 I नर्मदापुरम, मंगलवार 10 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

बारिश में हो जाएंगे ये रास्ते बंद, होगी हजारों नागरिकों को परेशानी पृष्ठ 2

ऑपरेशन सिंदूर: संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार?

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है हथियार नीति पृष्ठ 4

इंग्लैंड के खिलाफ भारत का 'ब्रह्मास्त्र' साबित होंगे बुमराह पृष्ठ 5

निर्माण एजेंसियों पर लगाम कब लगेगी ? काम तो ले लिया, पूरा कब होगा? पृष्ठ 7

सार-समाचार

सिंगापुर के मालवाहक जहाज में लगी आग

कोझिकोड, एजेंसी। भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने सोमवार को सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज 'वान हाई 503' के 18 क्रू मेंबर्स को बचा लिया। अधिकारियों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि केरल तट से करीब 70 नॉटिकल माइल्स दूर इस मालवाहक जहाज में आग लग गई थी। जहाज में आग लगने की घटना केरल के बेपोर-अझिकाल तट से दूर अरब सागर में हुई। कंटेनर जहाज के 18 क्रू मेंबर्स अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए, जिन्हें सुरक्षित बचाने के बाद, जहाज के फायर एंड सेफ्टी डिपार्टमेंट के चार क्रू मेंबर्स का पता लगाया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले जनरल घई की पदोन्नति

नई दिल्ली, एजेंसी। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। सोमवार को उनकी पदोन्नति की जानकारी सामने आई। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को अब भारतीय सेना का उप सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे।

सौ डेज, दलाल के निर्देशक पार्थो घोष का निधन

मुंबई, एजेंसी। भारतीय फिल्म निर्देशक पार्थो घोष का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने 75 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। वह बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर थे। उन्होंने कई मशहूर फिल्में बनाई, जिसमें जैकी श्रॉफ और माधुरी दीक्षित की फिल्म 100 डेज और नाना पाटेकर की अग्नि साक्षी जैसी फिल्में शामिल हैं। पार्थो घोष का निधन दिल से जुड़ी बीमारी की वजह से हुआ। वह मुंबई के मड आइलैंड इलाके में रहते थे। उनके परिवार में अब उनकी पत्नी गौरी घोष हैं। उनके निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा पहुंचा है। अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास अपने दुख को बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं।

20 हजार रुपए रिश्वत लेते बीडीओ गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। बिहार के वैशाली में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ा एक्शन किया है। निगरानी की टीम ने एक महिला बीडीओ को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते अरेस्ट किया है। दरअसल, निगरानी विभाग को शिकायत मिली थी कि आवास योजना का लाभ देने के एवज में लालगंज की प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी पैसों की डिमांड कर रही है। निगरानी की टीम ने पहले इसकी जांच की और आरोप को सही पाने के बाद पटना से निगरानी विभाग की टीम वैशाली के लालगंज पहुंच गई। निगरानी की टीम ने जाल बिछाया और घूसखोर बीडीओ नीलम कुमारी को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ धर दबोचा। निगरानी की इस कार्रवाई से पूरे प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया है। बीडीओ से पूछताछ के बाद निगरानी की टीम उसे अपने साथ पटना ले गई, जहां उसे निगरानी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

भाजपा सरकार की 11वीं वर्षगांठ मना ले, लेकिन बिहार की हकमारी नहीं होने देंगे : शक्ति सिंह

पटना, एजेंसी। केंद्र में एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर बिहार के मुख्य विपक्षी दल राजद ने भाजपा और एनडीए में शामिल दलों पर जोरदार निशाना साधा है। केंद्र में एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर राजद के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की 11वीं वर्षगांठ मना ले, लेकिन बिहार की हकमारी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि इन 11 सालों में बिहार के साथ नाइंसाफी, वादाखिलाफी, छलावा हो रहा है, जुमले परोसे जा रहे हैं। आरक्षण चोर भाजपा हकमारी कर रही है। बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई, जिसे नौवीं अनुसूची में डालने की मांग केंद्र सरकार से की गई। यहां कैबिनेट से पारित करके केंद्र सरकार को भेजा गया लेकिन अब सब चुप है। यह हम लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि हम लोग आरक्षण की बात कर रहे हैं और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट की बात करने वाले भी चुप हैं।

राजा रघुवंशी हत्या मामला : देर रात गाजीपुर में मिली सोनम, मेघालय पुलिस का दावा

सोनम ने प्रेमी संग मिलकर रची साजिश

गाजीपुर/ इंदौर, एजेंसी। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर बीते पल के साथ नए खुलासे हो रहे हैं। मेघालय पुलिस का दावा है कि सोनम ने ही राजा की हत्या का षड्यंत्र रचा और अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया। अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि सोनम जिस शख्स को प्यार करती थी उसका नाम राज कुशवाहा था और वो उससे 5 साल छोटा था।

सोनम को न्यायालय में किया पेश, आज मेघालय पुलिस को सौंपेंगे

शादी से पहले उसके साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था और सोनम ने उसके साथ मिलकर राजा को खत्म करने की साजिश रची। नवविवाहिता सोनम ने ही मेघालय को हनीमून के लिए चुना था और टिकट बुक कराई थी। सोमवार को मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी सोनम ने ही हत्यारों को सुपारी देकर राजा की हत्या कराई थी।

डीजीपी आई नोंग्रांग ने सोमवार सुबह पत्रकार वार्ता में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इंदौर के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या कथित तौर पर मेघालय में हनीमून के दौरान उनकी पत्नी की ओर भाड़े पर बुलाए गए लोगों ने की। उन्होंने बताया कि पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि 4 अन्य हमलावरों को रात भर की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया। दोपहर में मामले में मेघालय पुलिस ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर बताया कि इस दौरान ईस्ट खासी हिल्स के पुलिस अधीक्षक विवेक सिम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सोनम के पिता बोले-'मेरी बेटी निर्दोष'

राजा रघुवंशी हत्याकांड में मेघालय पुलिस की ओर से पत्नी सोनम रघुवंशी लगाए आरोप और उसकी गिरफ्तारी के बाद सोनम के पिता का बयान सामने आया है। सोनम के पिता देवी सिंह ने कहा कि सोनम कभी भी अपने पति की हत्या नहीं कर सकती। उन्होंने सोनम पर लगे आरोपों को झूठे बताते हुए कही कि मेरी बेटी पूरी तरह से निर्दोष है।

राजा की मां ने कहा- जाने की टिकट कराई थी वापसी की नहीं

राजा की मां ने बताया कि रिश्ता तय होने के बाद एक बार राजा ने कहा था कि वो (सोनम) मुझमें रुचि नहीं ले रही है। सोनम और राजा रघुवंशी का रिश्ता 1 अक्टूबर 2024 को समाज की परिचय पुस्तिका के जरिए हुआ था। राजा की मां के अनुसार सोनम शादी के बाद 4-5 दिन यहां रही। उसके बाद वह मायके चली गई। उसके व्यवहार में कोई परेशानी नहीं थी। शादी के बाद घर में शिलॉन्ग जाने की कोई बात नहीं हुई थी। सोनम ने घूमने जाने की बात की थी, लेकिन राजा ने मना कर दिया था। हालांकि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एक थ्यौरी यह भी है

सोनम की ओर से एक थ्यौरी यह भी बताई जा रही है कि उसके साथ लूटपाट की गई, उसे बंधक बनाकर रखा गया और उसके बाद उसे उत्तरप्रदेश के गाजीपुर में छोड़ दिया गया। सूत्रों का कहना है कि यह बात उसने स्टॉप वन सेंटर में उत्तरप्रदेश की गाजीपुर पुलिस को बताई है। उसकी इस बात को इससे भी बल मिलता है, कि मेघालय पुलिस की शुरुआती जांच में भी यह बात सामने आई है कि हत्या दूसरे आरोपियों ने की, लेकिन साजिश रचने में सोनम की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ब्यौहारी में राज्य स्तरीय सम्मेलन में हुए शामिल

कोल समाज के बकाया लोगों को दिए जाएंगे पट्टे

- बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में होगी शामिल
- 13 जिलों में माता शबरी के नाम पर रखा जाएगा कन्या शिक्षा परिसरों का नाम
- ग्राम पंचायत निपनिया में खोला जाएगा महाविद्यालय

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीन काल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की बिरसा मुण्डा मेडिकल कॉलेज शहडोल में प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ के लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में राज्य स्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 330 करोड़ रूपए लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 4 मिशन गरीब, युवा,नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने गाडरवाड़ा को कई विकास कार्यों की सौगात दी, कहा-

कृषि आधारित उद्योग लगाने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी

मुख्यमंत्री सुगम बस योजना की होगी शुरूआत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उनका और राज्य सरकार का गाडरवारा के नागरिकों के साथ विकास और विश्वास का रिश्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपये महिने भी दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में 80 करोड़ रूपये से अधिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री ने दी 11 पूर्ण होने पर बधाई, कहा-

प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देश को 2029 में भी प्राप्त होगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है की वर्ष 2029 में भी देश को श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रूस से सस्ता पेट्रोल लेने के साथ ही इजराइल और अमेरिका से सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक से देश को लैस किया। यह उन्हीं के साहस और सामर्थ्य से संभव हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से चमत्कार कर दिखाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 11 वर्षों का सेवाकाल विकसित भारत के संकल्प-सिद्धि की मजबूत आधारशिला है। इन वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा सहित हर वंचित वर्ग के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को हम सभी महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के यशस्वी और दूरदर्शी नेतृत्व में नया भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।

लोकल ट्रेनों से गेट पर खड़े 10 यात्री नीचे गिरे

4 यात्रियों की मौत

मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल

ठाणे, एजेंसी। मुंबई के मुंब्रा रेलवे स्टेशन के नजदीक सोमवार सुबह चलती लोकल ट्रेनों से 10 यात्री नीचे गिर गए। इनमें से 4 की मौत हो गई, जबकि 13 घायल हो गए। मरने वालों में जीआरपी कॉन्स्टेबल भी शामिल है। ये सभी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। घटना सुबह 9:30 बजे मुंब्रा के आगे दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। ऑफिस टाइम होने के कारण ट्रेन में भीड़ ज्यादा थी, जिससे यह हादसा हुआ। रेलवे के मुताबिक संभवत: ये यात्री ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके हुए थे। विपरीत दिशा में ट्रेनों के नजदीक से गुजरने के समय उनके बैग एक-दूसरे से टकरा गए। पहले खबर आई थी कि हादसा लखनऊ जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस के यात्रियों के साथ हुआ है। यह ट्रेन मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सुबह करीब 8.30 बजे रवाना हुई थी और घटनास्थल से हादसे के कुछ वक्त बाद गुजरी थी।

मुंबई की लोकल ट्रेनें रोजाना करीब 70 लाख से अधिक यात्रियों को ढोती हैं। यह लंबे समय से भीड़ और सुरक्षा चिंताओं से जूझ रही हैं। 2023 में 2,590 और 2024 में 2,468 मौतों के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसमें ट्रैक क्रॉसिंग और ट्रेन से गिरने की घटनाएं प्रमुख कारण हैं। इस हादसे ने एक बार फिर रेलवे की ओर से पर्याप्त कदम न उठाए जाने की आलोचना को तेज कर दिया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि वे स्वचालित दरवाजों वाली ट्रेनें जल्द शुरू करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन कार्यान्वयन में देरी के कारण हादसे रुक नहीं रहे।

बड़वानी में होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

विश्व सिकल सेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति होंगी शामिल

- उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतें होंगी सम्मानित
- प्रभावित 33 जिलें में लगाये जाएंगे विशेष शिविर

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि रहेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा। इनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशानिर्देश/मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम दिवस में प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने की गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहाँ उन्हें आनुवंशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग तथा परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी। सिकल सेल रोगियों और उनके देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। जिले की विशेष रूप से प्रभावित ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा विफलताओं की मिसाल बने 11 साल

मोदी ने संघीय ढांचे को कमजोर किया

- हकीकत की जगह सिर्फ जुमलेबाजी हुई
- सामाजिक ताने-बाने को आघात पहुंचाया

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार के 11 साल के शासन काल को विफल, संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने, हकीकत की जगह सिर्फ जुमलेबाजी करने और सामाजिक ताने बाने को आघात पहुंचाने वाला करार देते हुए सोमवार को कहा कि इस दौरान राज्यों की अनदेखी हुई तथा संघीय ढांचे को कमजोर किया गया है। श्री खरगे ने कहा कि पिछले 11 वर्ष में मोदी सरकार ने लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुंचाया है। भाजपा-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमज़ोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया है। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हकों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे को कमज़ोर किया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे, भाजपा अध्यक्ष ने कहा-

मोदी ने राजनीति की संस्कृति बदली

- 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए
- सरकार ने विकसित भारत का मजबूत आधार रखा
- पहले की सरकार भ्रष्टाचार, नकारात्मकता से भरी हुई थी

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार को 'पारदर्शी और भविष्यदर्शी' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत में राजनीति की संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। श्री नड्डा ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने के मौके पर यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने निराशा के वातावरण को दूर कर विकसित भारत की मजबूत आधार रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार में

भ्रष्टाचार का बोलबाला था और वह नकारात्मक एजेंडा के साथ चल रही थी। श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने नकारात्मकता को दूर किया।

उन्होंने कहा कि 11 साल पहले की राजनीतिक-संस्कृति में सत्ता में बने रहने के लिए तुष्टिकरण और समाज को खंडित करने की सोच हावी थी। श्री मोदी ने जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ सरकार के कामकाज के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर शासन की राजनीति का मानक बनाया। उन्होंने कहा, 'हम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखते हैं।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम पिछले 11 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुशासन से विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव आया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश ने 140 करोड़ लोगों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है, जिससे तेजी से प्रगति हुई है और 'जीवन में सुगमता' आई है। श्री मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु परिवर्तन और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है।

राहुल का केंद्र सरकार पर वार, कहा-

न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ प्रचार

अब 2047 के सपने को बेच रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 11 साल में न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ अपना प्रचार किया। सरकार 2025 पर बात करना छोड़कर, अब 2047 के सपने को बेच रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल होने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निशाना साधा और लिखा, 'जब मोदी सरकार 11 साल की 'सेवा' का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है- ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। भारतीय रेल करोड़ों की ज़िंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन चुकी है।' उन्होंने आगे एक्स पोस्ट में लिखा, 'मोदी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बारिश के दौर में फिर उनके सामने एक ही रास्ता बचेगा जो ओवरब्रिज होकर औद्योगिक क्षेत्र, नर्मदापुरम और अन्य पूर्व के ग्रामीण अंचलों के लिए सहारा बनेगा

बारिश में हो जाएंगे ये रास्ते बंद, होगी हजारों नागरिकों को परेशानी

इटारसी, देशबन्धु। मानसून सिर पर है, और नागरिकों की चिंता आज भी वहीं है कि आखिर बारिश के दौर में फिर उनके सामने एक ही रास्ता बचेगा जो ओवरब्रिज होकर औद्योगिक क्षेत्र, नर्मदापुरम और अन्य पूर्व के ग्रामीण अंचलों के लिए सहारा बनेगा। वर्तमान में ओवरब्रिज को मिलाकर तीन रास्ते हैं, जिनमें अंडरब्रिज नई गरीबी लाइन और न्यास बायपास के पेट्रोल पंप के साइड से रेलवे पुल के नीचे से खेड़ा होकर हाईवे पर जाने के लिए है।

बंद हो जाएगा पुल के नीचे से निकलना
बारिश के दौर में रेलवे पुल के नीचे से निकलना संभव नहीं होगा, क्योंकि वहां कच्चा रास्ता और काली मिट्टी का फिसलन भरा मार्ग है। ज्यादा बारिश होने पर ये पहाड़ी नदी में अधिक पानी बहता है तो यह रास्ता भी पूरी तरह से बंद हो जाता है। रेलवे ने इस रास्ते पर कांक्रीट रोड बनाने की अनुमति नहीं दी है, जबकि खेड़ा हाईवे से पुल के पूर्वी हिस्से तक और न्यास बायपास से पुल के पश्चिमी हिस्से तक सीसी रोड बनकर तैयार है। केवल पुल के नीचे कच्चा है, जो बारिश में पूरी तरह से बंद हो जाता है। एकमात्र ओवरब्रिज ही सहारा
बारिश में दोनों वैकल्पिक रास्ते बंद हो जाने के बाद नागरिकों को केवल ओवब्रिज ही एकमात्र सहारा बचता है। ये दोनों रास्ते बंद होने से राहगीरों को लंबा फेर लगाकर अपने गंतव्य के लिए ओवरब्रिज से आवागमन करना पड़ता है। लगातार आबादी बढ़ने और वाहनों की संख्या बढ़ने के बाद शहर को ऐसे वैकल्पिक मार्गों की महती आवश्यकता है। सोनासांवरी रेलवे चौकी के पास बन रहे ओवरब्रिज को पूरा होने में अभी कुछ साल और लगेंगे, ऐसे में इन दोनों रास्तों को सालभर चालू रखने के प्रयास करने होंगे। नई गरीबी लाइन के अंडरब्रिज पर दोनों ओर शेड हो

जरा सी बारिश में बंद होता अंडरपास

नई गरीबी लाइन का अंडर पास दस माह तो लोगों के लिए आवागमन का अच्छा मार्ग साबित होता है, बस मानसून के चार में दो माह तेज बारिश के समय यह पूरी तरह से बंद हो जाता है। निकास के अभाव में इसमें एक बार जोरदार बारिश के बाद कई-कई दिन पानी भरा रहता है। रेलवे पंप के जरिए पानी निकालती है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान का प्रयास नहीं किया जाता है। देश के अन्य कई स्थानों पर ऐसे अंडरपास के दोनों ओर शेड बनाये गये हैं ताकि ब्रिज वाले हिस्से में पानी न भरे, यहां ब्रिज से आवागमन प्रारंभ हुए कई वर्ष हो गये, लेकिन रेलवे ने कभी इस तरह के प्रयास नहीं किये।

नौपता में बादलों से नीचे आया पारा फिर चला 40 के पार, अभी राहत की उम्मीद नहीं

इटारसी, देशबन्धु। आसमान पर बादलों के बीच नौपता का समय निकल गया। इस दौरान चालीस से ऊपर गया तापमान अचानक 35 डिग्री तक नीचे आ गया था। नौपता खत्म होने के बाद धूप और गर्मी ने फिर असर दिखाया और पारा फिर चालीस पार कर गया है। आज सोमवार को इटारसी का तापमान 42 डिग्री तापमान रहा। हालांकि दो दिन पूर्व हल्की बारिश से मौसम में आंशिक ठंडक आयी थी। शहर में मौसम परिवर्तन के चलते गुरुवार की शाम को लगभग 6:30 बजे आसमान में बादलों छा जाने के बाद तेज हवा और आंधी के साथ कुछ देर तक बारिश हुई।

अच्छे मानसून की कामना के साथ सिंधी समाज बांटेगा मीठे चावल

इटारसी, देशबन्धु। इस मानसून में अच्छी वर्षा हो, ताकि धन-धान्य की कमी न हो, इस कामना के साथ इस वर्ष भी सिंधी समाज के सदस्य जल के देवता भगवान वरुण के अवतार झूलेलाल को मीठे चावल का भोग लगाकर प्रसाद वितरण करेंगे।
हर वर्ष पूज्य पंचायत सिंधी समाज के तत्वावधान में झूलण सेवा समिति इटारसी द्वारा भगवान श्री झूलेलाल से अच्छी बारिश एव विश्व कल्याण की कामना के लिए मीठे चावल का वितरण किया जाता है। इस वर्ष यह 13 जून शुक्रवार शाम 5 बजे होगा। फल बाजार स्थित भगवान श्री झूलेलाल मंदिर के सामने मीठे चावल का प्रसाद

ग्रहण करने नागरिकों से समाज ने आग्रह किया है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उनके जीवन पर डाला प्रकाश

इटारसी, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि नगरपालिका अध्यक्ष कार्यालय में मनाई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके त्याग और बलिदान को याद किया। इस दौरान भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और आदिवासी समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन हमें संघर्ष, साहस और समर्पण की सीख देता है और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। बता दें कि बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था और 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका निधन हो गया था। उन्हें 'धरती आबा' और 'भगवान' (ईश्वर के दूत) के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ 'उलगुलान' (क्रांति) का नेतृत्व किया था और आदिवासी समाज के जल-जंगल-जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया था। पुण्य तिथि के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष जय किशोर चौधरी, आदिवासी समाज युवा नेता राहुल प्रधान, भाजपा मंडल अध्यक्ष इटारसी राहुल चौरे, पुरानी इटारसी मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो सहित अन्य मौजूद थे।

नर्मदापुरम जोन का अंतर जिला कबड्डी टूर्नामेंट 16 जून को

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदापुरम जोन के अन्तर जिला कबड्डी टूर्नामेंट 16 जून को एकलव्य स्कूल धौंखेड़ा में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर और छिंदवाड़ा जिले की टीमें हिस्सा लेंगी जिसमें से नर्मदा पुरम संभाग की टीम का चयन किया जाएगा।
नर्मदापुरम जोन की टीमों का टूर्नामेंट 16 जून को नर्मदांचल कबड्डी एकेडमी होशंगाबाद के द्वारा एकलव्य हायर

सैकंड्री स्कूल धोखेड़ा इटारसी में आयोजित की जाएगी। आज होटल जय विजय इटारसी में सभी सचिव एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई जिसमें आगामी होने वाली प्रतियोगिता की रूपरेखा बनाई गई।
इस दौरान संभाग के संयोजक रामजीवन गोदारा, सरदार सिंह राजपूत, मंगल सिंह यादव, सुरेश चिमनिया, एमएल गौर, भगत जाट, सोनू दुबे, नितेश राजपूत, अंकित जोशी उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश कबड्डी फेडरेशन ने यह निर्देश दिया है कि अब स्टेट लेवल पर टीम हिस्सा लेगी वह जोन से बन कर आएगी।

समेरिटंस का केशव राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप में शामिल

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 13 मध्य प्रदेश बटालियन से संबंध समेरिटंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल का होनहार छात्र एनसीसी केडिट्स केशव श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप अमरकंटक में भोपाल ग्रुप का जूनियर डिविजन का प्रतिनिधित्व किया। कैंप 1 जून से 8 जून तक चला। केशव सिटी थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल वीरेंद्र श्रीवास्तव के सुपुत्र है। स्टेशन पर 13 एम. पी से हवलदार अजीत कुमार उपस्थिति रहे। केशव ने कैंप में हर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जिसमें बॉलीबॉल स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रमाणपत्र,

मेडल प्राप्त किया। एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सेकंड अफसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रैकिंग कैंप के माध्यम से केडिट्स को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण और साहसिक गतिविधियों का अनुभव मिलता है, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमताएं मजबूत होती हैं। इस बर्ष हमारी संस्था के तीन एनसीसी केडिट्स का राष्ट्रीय स्तर के ट्रैकिंग कैंप के लिए सिलेक्शन हुआ अभी क्रमशः दो कैंप और है जिसमें से 09 से 16 जून में एनसीसी केडिट्स निहाल अहिरवार और 17 से 24 जून में एनसीसी कै डिट्स वत्सल पांडे शामिल होंगे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

इटारसी के निवासी युवा ऋषभ दुबे ने किया ई-कॉमर्स वेबसाइट Arbor Aurra का शुभारंभ

इटारसी, देशबन्धु। कावेरी स्टेट निवासी युवा उद्यमी ऋषभ दुबे ने एक नई ई-कॉमर्स वेबसाइट Arbor Aurra लॉन्च की है। यह वेबसाइट ग्राहकों को घर बैठे बेहतरीन और गुणवत्ता-युक्त प्रोडक्ट्स की खरीदारी की सुविधा देती है।
Arbor Aurra केवल एक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि यह एक छोटे शहर के युवा द्वारा शुरू की गई डिजिटल क्रांति का प्रतीक है। ऋषभ ने न केवल वेबसाइट को खुद डिजाइन और डेवलप किया, बल्कि अपने दम पर इसे एक पूर्ण ई-कॉमर्स ब्रांड के रूप में स्थापित भी किया। वर्तमान में प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में कम्पनी का ऑफिस खोला गया है।
इस वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं को आकर्षक डिज़ाइन, आसान नेविगेशन, सुरक्षित पेमेंट विकल्प और घर तक डिलीवरी जैसी सुविधाएं मिलती हैं। प्रोडक्ट्स की रेंज लगातार बढ़ रही है, जिससे ग्राहकों को हर बार कुछ नया और बेहतर मिलने की गारंटी रहती है। ऋषभ का यह प्रयास इटारसी और आस-पास के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो डिजिटल इंडिया के इस दौर में कुछ नया करना चाहते हैं।
इनका कहना है कि-
आज का युग डिजिटल युग है, और मेरा सपना था कि इटारसी जैसे छोटे शहर से भी एक बड़ा ऑनलाइन ब्रांड खड़ा किया जाए। Arbor Aurra सिर्फ एक वेबसाइट नहीं, बल्कि हर उस युवा के लिए एक संदेश है कि अगर जज़्बा हो, तो मंज़िल दूर नहीं।
- ऋषभ दुबे, संस्थापक, Arbor Aurra

मूंग खरीद : समर्थन मूल्य से कम न खरीदें, किसान न हो असंतुष्ट

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भारसाधक अधिकारी मंडी टी प्रतीक राव ने कृषि उपज मंडी इटारसी के अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों की बैठक में आगामी ग्रीष्मकालीन मूंग की आवक को देखते हुये मंडी में आने वाले किसानों के लिये पर्याप्त व्यवस्था तथा प्रतिस्पर्धा से मूल्य प्राप्त हो, इस संबंध में व्यापारियों को निर्देश दिये। बैठक में कहा कि एफ.ए.क्यू, क्वालिटी की मूंग सहित सभी कृषि उपज समर्थन मूल्य से कम दर पर क्रय नहीं की जाएं, किसानों को नुकसान न हो तथा किसान असंतुष्ट न रहे। मंडी सचिव अरविन्द कुमार परिहार ने कहा कि इटारसी के व्यापारियों द्वारा सीधे मल्टीनेशनल कंपनियों के लिये खरीदी की जाती है, इस कारण किसानों को अच्छे भाव मिलता है। साथ ही मौसम को देखते हुये खुली ट्रालियों में आई उपज का घोष विकय पहले कराया जाकर बड़े तौल कांटे से शीघ्र तौल कराने के

निर्देश दिये, तथा किसानों से कृषि उपज साफ सुथरा, सूखा लाने एवं मौसम को देखते हुये त्रिपाल आदि व्यवस्था साथ रखने का अनुरोध किया। बैठक में मुख्य रूप से रमेश चांडक, संतोष ओसवाल, प्रदीप तोतला, मांगीलाल मालपानी, कमल मित्तल, मनोज अग्रवाल, अजय खन्ना, मनोज चाण्डक, प्रदीप अग्रवाल, दीपांशु (मटल्लू) अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल आदि ने भाग लिया।

5 जुलाई तक स्थानीय स्वयंवरम गार्डन में रहेंगे प्रभु

स्नान के साथ जगन्नाथ का जन्मोत्सव कल से, भव्य रथ यात्रा 27 को निकलेगी

मंदिर समिति के भक्तों से आयोजन में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है

नर्मदापुरम, देशबन्धु। डोंगरवाडा स्थित अखंड मंडलेश्वर धाम में भगवान जगन्नाथ जी का जन्मोत्सव 11 जून बुधवार देव स्नान पूर्णिमा को भगवान के स्नान के साथ आरम्भ होगा।
उक्त जानकारी देते हुए मंदिर के ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्मा मुख्य अर्चक बाबाजी प्रसाद दास ने बताया कि बुधवार को प्रातः 10 बजे मंदिर से बाहर आएंगे और मंदिर परिसर में दिव्य स्नान होगा। उसके बाद प्रभु का शृंगार किया जाएगा। भगवान गजानन वेश धारण करेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। शाम को भी प्रभु भक्तों को दर्शन देने के बाद विश्राम करेंगे। परम्परा के अनुसार भगवान का स्वास्थ्य खराब रहेगा। इस दौरान कुशल वैद्य द्वारा

उनका उपचार किया जाएगा।

अपनी मौसी के घर जाएंगे प्रभु

स्वस्थ होने बाद 27 जून को प्रभु भक्तों को दर्शन देते हुए गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण करते हुए अपनी मौसी के घर प्रस्थान करेंगे। इस दौरान प्रभु 5 जुलाई तक मालाखेड़ी स्थित स्वयंवरम गार्डन में रहेंगे।
उसके बाद वापस मंदिर पहुंचेंगे। मंदिर में पुनः विराजमान होने के बाद 6 जुलाई को मंदिर में विशाल भंडारा भी होगा। मंदिर समिति के भक्तों से आयोजन में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के लिए ट्रायल में दो जिलों से 80 खिलाड़ी शामिल

इटारसी, देशबन्धु। सोमवार को शहर के गांधी मैदान पर मप्र हॉकी अकादमी द्वारा अंडर-18 वर्ग खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन किया गया। इस चयन समिति में चयनकर्ता के रूप में पूर्व ओलिंपियन एवं मप्र हाकी अकादमी के हेड कोच समीर दाद, सहायक कोच लोकेन्द्र शर्मा एवं फिजीशियन आरिफ खान ने यहां बैतूल, इटारसी एवं नर्मदापुरम से आए खिलाड़ियों की प्रस्तुति देखी, इसके आधार पर चयन प्रकिया पूरी की गई। जिला हाकी संघ के सचिव कन्हैया गुरयानी ने बताया कि आज मंगलवार को गांधी मैदान पर संचालित हॉकी फीडर सेंटर के लिए बच्चों के लिए ट्रायल रखा गया है। यह प्रकिया सुबह 7:30 बजे से मैदान पर प्रारंभ होगी। ट्रायल के दौरान शामिल होने आए बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। चयनकर्ताओं ने एक-एक खिलाड़ी की शारीरिक दक्षता, सक्रियता एवं मैदान पर हाकी स्टिक से की जाने वाली मेहनत पर फोकस किया, इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर भी चयन किया गया। इटारसी आए चयनकर्ताओं का हॉकी संघ सचिव कन्हैया गुरयानी, डीएचए संरक्षक एससी लाल, दीप सिंह ठाकुर, नंदकिशोर उस्ताद, जयराज सिंह भानु, सर्वजीत सिंह सैनी, आशीष शर्मा, आरिफ खान, मयंक जेम्स, रवि हरदुआ, साहिल चौरे, विशाल तोमर, महबूब खान समेत अन्य खिलाड़ियों ने स्वागत किया।

राष्ट्र संत गाडगे बाबा सेवा संघ ने किया राजकुमार मालवीय को सम्मानित

इटारसी, देशबन्धु। राष्ट्र संत गाडगे बाबा सेवा संघ ने अखिल भारतीय रजक महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार मालवीय का सम्मान किया। तेजस बहुउद्देशीय संस्था राष्ट्र संत गाडगे बाबा संघर्ष संघ कामठी नागपुर के सत्कार समारोह में मुख्य अतिथि प्रहलाद रजक अध्यक्ष रजककार विकास बोर्ड छत्तीसगढ़, देश की प्रसिद्ध लोक नायिका श्रीमती रजनी रजक भिलाई (छत्तीसगढ़), कृष्ण राव चांडक, प्रकाश पोहरे, तेजस संस्था अध्यक्ष चंद्रेशकर अर्कुलेवर की उपस्थिति में राजकुमार मालवीय को सम्मानित किया।

कैडबरी क्रिकेट द्वारा आयोजित लेदर बॉल लीग टूर्नामेंट का फाइनल मैच

लेदर बॉल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट सिंसियर क्लब ने जीता

इटारसी, देशबन्धु। आज कैडबरी क्रिकेट द्वारा आयोजित लेदर बॉल लीग टूर्नामेंट का फाइनल मैच कैडबरी क्रिकेट क्लब और सिंसियर क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया।
टॉस जीतकर कैडबरी क्रिकेट क्लब ने फील्डिंग करने का निर्णय लेते हुए सिंसयर क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन का लक्ष्य कैडबरी क्रिकेट को दिया जिसमें कैडबरी क्रिकेट लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में केवल 127 ही रन बना पाई। इस प्रकार 50 रन से सिंसियर क्रिकेट क्लब ने फाइनल मैच को अपने नाम किया। फाइनल में मैन ऑफ द मैच गोल्डी चौधरी को दिया गया।
मैन ऑफ मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार गौरव गौर और बेस्ट बॉलर का पुरस्कार सिंसियर क्लब के शुभम

को दिया गया। बेस्ट बैस्टमैन का लव दुबे वेस्ट विकेट कीपर विट्टल को दिया। विशेष पुरस्कार में कपिल सिंग्नारे, इरफान अली, सोनू मेहरा, यश को सम्मानित किया।
फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ खिलाड़ी सत्येन्द्रपाल सिंह जग्गी एवं एनडीसीए के उपाध्यक्ष कुलभूषण मिश्रा, वरिष्ठ क्रिकेटर राकेश पांडे, सुनील औरंगाबादकर, मनोज मिश्रा, राकेश दुबे, अर्पण दुबे, राजेश गौर, अम्बिकेश चतुर्वेदी, रौनक दुबे, रमेश पाटिल, भवानी शंकर दुबे उपस्थित थे। पहली बार हुए इटारसी में टर्फ विकेट पर टूर्नामेंट के लिए सभी लोगों ने प्रशंसा की। सिंसियर क्लब के वरिष्ठ खिलाड़ी अजय चौरे ने टर्फ विकेट पर लीग टूर्नामेंट आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। अंपायरिंग हरीश हनोतिया एवं उत्तम खाड़े ने की।

आरोन ने जीता कांस्य पदक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। 53 वा राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता SFI (swimming federation of India) के तत्वावधान में मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में आयोजित की गई जिसमें नर्मदा पुरम के आरोन डेविड पिता डॉ आकाश डेविड के द्वारा 200 मीटर फ्रीस्टाइल 100 मीटर फ्री स्टाइल 50 मी बैक स्ट्रोक तैराकी विद्या में कांस्य पदक हासिल कर मध्य प्रदेश राज्य स्तर पर हमारे जिले नर्मदा पुरम का नाम रोशन किया जिस शहर के सभी खेल प्रेमी एवं मध्य प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष शर्मा , सचिव जय वर्मा , आलोक राजपूत, कोच अरविंद उमरे , राकेश मालवीय, मार्तंड देशमुख अशोक यादव , गोपाल बारिया,सतीश मेहरा एवं अन्य के द्वारा बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्ण कराएं: जैन

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराएं। अधिकारियों से कहा कि जिन निर्माण कार्यों में भू अर्जन की प्रक्रिया शेष है, उनमें भू अर्जन की कार्यवाही की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, सेतू विकास निगम, ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण व पीआईयू सहित सभी निर्माण विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। पुल पुलिया व सड़क निर्माण के जो निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं और थोड़ा बहुत कार्य शेष है, उन्हें शीघ्रता से पूर्ण करें ताकि इसी वर्षा ऋतु में उनका उपयोग हो सके।

गांव में लगेगी चौपाल, लोगों को सुनेंगे और हल करेंगे समस्याएं

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन आगामी 13 जून को जिले के तीनों विकासखण्ड हरदा, टिमरनी व खिरकिया के एक-एक गांव में आयोजित ग्राम चौपाल में वहां के ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करेंगे। उन्होने बताया कि 13 जून को प्रात: 11 बजे टिमरनी विकासखण्ड के ग्राम चारखेड़ा में, दोपहर 1 बजे हरदा विकासखण्ड के ग्राम मसनगांव तथा दोपहर 3 बजे खिरकिया विकासखण्ड के ग्राम मांदला में ग्राम चौपाल आयोजित होगी। चौपाल के दौरान स्वयं उपस्थित रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण का प्रयास करें। उन्होने अधिकारियों से कहा कि चौपाल में आये ग्रामीणों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं के बारे में सरल भाषा में जानकारी जरूर दें। कलेक्टर श्री जैन ने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को होगा सामूहिक योगाभ्यास

हरदा, देशबन्धु। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी स्कूल, कॉलेज में सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। राज्य स्तरीय पर आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हरदा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी प्रसारित किया जाएगा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिये जिला शिक्षा अधिकारी डी.एस. रघुवंशी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

सड़कों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़कर कांजी हाउस में किया बंद

हरदा, देशबन्धु। शहर की सड़कों एवं मुख्य मार्गों पर आवारा मवेशियों के विचरण की शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए रात्रि में अभियान चलाया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार ने बताया कि रविवार रात्रि में नगर पालिका ने शहर के वार्ड क्रमांक 4 संत रविदास चौक से लेकर वार्ड क्रमांक 21 चांडक चौराहे तक सड़क पर विचरण करते हुए आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए रात्रि कालीन अभियान चलाया। अभियान के तहत रात्रि 11 बजे 24 मवेशियों को पड़कर नगर पालिका कांजी हाउस में बंद किया। सीएमओ पाटीदार ने बताया कि आवारा मवेशियों के सड़कों पर विचरण करने एवं लड़ने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी और सड़कों पर बैठने से आवागमन भी प्रभावित होता है इसलिए नगर पालिका के द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए रात्रि कालीन अभियान चलाया जा रहा है और यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

दिव्यांगों व वृद्धजनों को मतदान में नहीं होगी कोई परेशानी

हरदा, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार हरदा जिले में दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के संबंध में सुलभ और समावेशी चुनाव प्रक्रिया के लिये जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी गठित की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि यह समिति जिले में दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के संबंध में सुलभ और समावेशी चुनाव प्रक्रिया के लिये कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। जारी आदेश अनुसार जिला स्तरीय समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरदा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्राचार्य शासकीय स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय हरदा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग तथा अध्यक्ष आरिओला प्रकाशपुंज समिति हरदा को शामिल किया गया है।

हरदा व टिमरनी के लिये विधानसभा स्तरीय समिति गठित

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के संबंध में सुलभ और समावेशी चुनाव प्रक्रिया के लिये कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिये विधानसभा स्तरीय समिति का पुनर्गठन भी किया गया है। टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के लिये गठित समिति में टिमरनी के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र तथा सिराली के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को शामिल किया गया है।

बिरसा मुंडा आदिवासी समाज की चेतना के प्रतीक हैं : मुन्नालाल

भैंसदेही में बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

बैतूल, देशबन्धु।। आदिवासी मंगल भवन भैंसदेही में मप्र आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले भगवान बिरसा मुंडा की 125 वी पुण्यतिथि मनाई गई। यह आयोजन परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निर्देश पर, पूरे राज्य में एक साथ आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के जिला अध्यक्ष मुन्नालाल वाडिवा, जिला सचिव नंदकुमार नर्रे, बैतूल ब्लॉक अध्यक्ष दीपक कवडे, ब्लॉक अध्यक्ष तुलाराम उइके, ब्लॉक सचिव सुनील सलामे, प्रफुल्ल उइके, चिरोजीलाल मावस्कर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से खेलकूद प्रतियोगिता और कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले आदिवासी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मंच से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। जिला अध्यक्ष मुन्नालाल वाडिवा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हम बिरसा मुंडा संकल्प अभियान 2025 के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। बिरसा मुंडा आदिवासी समाज की चेतना के प्रतीक हैं। उनके दिखाए रास्ते पर चलकर ही समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बिरसा मुंडा के विचारों को आत्मसात कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत को सजीव रूप से प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने सराहा। आयोजन के अंत में मुन्नालाल वाडिवा ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए इस कार्यक्रम को समाज जागरूकता और संगठन की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी बताया।

उन्होंने कहा मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद, इस आयोजन की मुख्य प्रेरक संस्था, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। आज परिषद नई ऊर्जा और नए सदस्यों के साथ पूरे राज्य में विस्तार कर रही है और आने वाले महीनों में अनेक महत्वपूर्ण पहल शुरू करने जा रही है।

खेतों में नरवाई जला रहे हैं तो हो जाइए सावधान! जुर्माना लगेगा

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने कहा है कि ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए, जो खेतों में नरवाई जला रहे हैं। उन्होंने नरवाई जलाने वाले किसानों पर अर्थदण्ड लगाने के संबंध में सभी एसडीएम को निर्देश दिये। कलेक्टर जैन ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों से कहा कि शासकीय भूमि पर जहाँ फसल बोई गई थी, वहां फसल कटने के बाद यह सुनिश्चित करें कि दोबारा से कोई अतिक्रमण कर फसल न बो दें। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, सुश्री रजनी वर्मा व संजीव नागू के साथ-साथ एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया एवं एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया एवं अन्य विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर जनपद पंचायत टिमरनी की सीईओ के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने जिला खनिज अधिकारी को निर्देश दिये कि अवैध ईंट भट्टों वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना व सड़क विकास निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि सड़क मरम्मत के संबंध में अभी से टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर लें ताकि बरसात के तत्काल बाद सड़क मरम्मत का कार्य कराया जा सके। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देश दिये कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निर्मित किये जा रहे खेत तालाबों व कूप पुनर्भरण संरचनाओं को वर्षा शुरू होने से पूर्व शीघ्रता से पूर्ण करें। उन्होने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्र में मेला आयोजन की स्वीकृति देने से पूर्व मेलों में लगाये जाने वाले झूलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें ताकि दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होने जिला परिवहन अधिकारी व सभी एसडीएम को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र के आबादी वाले मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री जैन ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्र में भवन निर्माण की विधिवत अनुमति जारी की जाए तथा जो व्यक्ति बिना अनुमति भवन निर्माण करें उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए।

20 साल बाद एक साथ मिले पुराने दोस्त, साथ बैठकर लिया खिचड़ी, मठे का स्वाद

बैतूल, देशबन्धु। कोसमी डेम के पास एक भावुक और ऐतिहासिक मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर चुके 2000 से 2020 तक के सभी सत्रों के नए-पुराने मित्रगण एकत्रित हुए। छात्रावास में साथ बिताए पलों की यादों को ताजा करते हुए सभी ने इस मिलन को एक यादगार क्षण बना दिया।

जो छात्रावास में पढ़कर आज इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षक, सेना अधिकारी, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचे पदों पर कार्यरत हैं, वे सभी पहली बार इतने वर्षों बाद एकसाथ बैठे। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार से वर्षों बाद मिलता है, तो वह पल बेहद भावुक होता है, और ऐसा ही दृश्य कोसमी डेम पर देखने को मिला।

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शैलेंद्र वाइकर, अमित सातनकर, संजू पाटिल, दिलीप बामने, माधवराव सरनेकर, पहलाद गोहे, दवडे, राकसे, बचले, बराहे, पवन बेले, बिसोने सहित अनेक पुराने मित्रगणों ने अपने-अपने विचार साझा किए। उन्होंने भविष्य के उद्देश्यों और मिलन समारोहों को नियमित रखने पर भी सहमति जताई। समारोह के दौरान सभी ने एक साथ बैठकर खिचड़ी, पुलाव और मट्ठे का आनंद लिया। सभी मित्रों ने एक-दूसरे के साथ पुन: जुड़कर अपने छात्रावास परिवार को जीवंत रूप में देखा और महसूस किया। इस आयोजन में प्रेम सूर्यवंशी, मनोज आठोले, राजू नागले, कमलेश नागले, अजाब राव पंडोले, राजू पीपरदे, संदीप उपराले, अनिल उपराले, कमलेश पहाड़े, विजय मांडवे, सुनील मांडवे सहित अनेक पुराने साथी उपस्थित रहे। विशेष रूप से संजू पाटिल, दीपक रजने, निमेष और अन्य सभी मित्रगणों का विशेष आभार व्यक्त किया गया। छात्रावास परिवार की यह परंपरा आगे भी जीवित रहने की कामना की।

सृजन कार्यक्रम का सफल समापन : आत्मरक्षा के लिए किशोर-किशोरियों को मिला सशक्त मंच

बाल संरक्षण और लैंगिक असमानता पर चिंतन, किशोर-किशोरियों को प्रमाण पत्र बांटे

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सामुदायिक पुलिसिंग योजना के तहत बैतूल जिले में किशोर क्षमता वर्धन आत्मरक्षा सृजन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन सोमवार को किया गया। यह 18 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 मई से 9 जून तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर पुलिस अस्पताल में आयोजित किया गया, जिसका संचालन जिला पुलिस और प्रदीपन संस्था बैतूल के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने किया।

समापन अवसर पर एसपी झारिया ने बच्चों और उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों ने आत्मरक्षा, स्वास्थ्य, हाइजीन, लैंगिक समानता और बाल संरक्षण जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की है, जो उनके भविष्य के लिए अमूल्य है। पुलिस विभाग आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। एडिशनल एसपी कमला जोशी ने किशोर-किशोरियों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के चेहरे पर आज सच्चा आत्मबल और जागरूकता झलक रही है, यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता है।

अभिभावकों ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं कीं साझा

प्रदीपन संस्था की डायरेक्टर रेखा गुजरे ने बताया कि यह कार्यक्रम किशोरों को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के साथ-साथ सामाजिक विषयों पर भी सजग करता है। उन्होंने पुलिस विभाग को धन्यवाद दिया कि उन्होंने यह पहल शुरू की। इस दौरान अभिभावकों ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं साझा की। अनुष्का की माता सुषमा निरापुरे और आकांक्षा की माता ने कहा कि बच्चों ने हेल्थ हाइजीन, गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल संरक्षण जैसे विषयों पर जो सीखा है, वह उनके जीवन भर काम आएगा। आज जो ज्ञान मिला है, वह किसी किताब में नहीं सिखाया जाता। समापन समारोह में 100 किशोर-किशोरियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शर्मीली बिलवाड़, अजाक थाना डीएसपी शिखा भलावी, एसडीओपी शालिनी परस्ते, थाना प्रभारी अंजना धुर्वे, आरआई दिनेश कुमार मर्सकोले सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन प्रदीपन संस्था की क्लस्टर काउंसलर चारूलता वर्मा ने किया और थाना प्रभारी अंजना धुर्वे ने भारत माता की जय के उद्घोष के साथ समापन किया।

बिरसा मुंडा की 125वीं जयंती शहादत दिवस रूप में मनाई

बनखेड़ी, देशबन्धु। नगर के अंबेडकर भवन में आज सोमवार दोपहर 12 बजे भगवान बिरसा मुंडा का 125वां बलिदान दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ आदिवासी समाज द्वारा मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जन-जन को जागरूक कर आदिवासी अस्मिता और सभा में वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा न सिर्फ एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे एक सामाजिक क्रांतिकारी भी थे, जिन्होंने वनवासियों को उनके हक और सम्मान के लिए एकजुट किया। उनके विचार और बलिदान आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जनों, युवाओं एवं महिलाओं ने मिलकर भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक रूप से शांति और एकता की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर कृष्णा धुर्वे, प्रल्हाद सिंह, कैलाश परते, जय सिंह ठाकुर, विवेक धुर्वे, कैलाश धुर्वे, भूपेंद्र ठाकुर, जितेंद्र सिंह, संध्या शाह, नंदनी मर्सकोले, आदि मौजूद रहे।

नि: शुल्क मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर 30 को

बैतूल, देशबन्धु। अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा दिल्ली एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल भोपाल के तत्वावधान में मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन 30 जून दिन सोमवार को दुनावा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 11.30 बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रहलाद साहू, गोपाल साहू ने बताया कि इस शिविर में सभी मरीजों के आंखों की जांच कर जिन आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन सभी मरीजों के ऑपरेशन चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल में किए जाएंगे। श्री साहू ने बताया कि शिविर में मरीजों को अपने साथ बीपीएल कार्ड, आयुष्मान कार्ड ,आधार कार्ड, समग्र आईडी लाना जरूरी है। सभी मरीजों की जांच, परिवहन, आवास, भोजन एवं दवाइयां एवं ऑपरेशन निशुल्क किए जाएंगे ।जिन नेत्र रोगियों की आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा उन सभी मरीजों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुनावा से बस द्वारा भोपाल ले जाया जाएगा।

डॉ. मनोज हुरमाडे ने सीएमएचओ का पदभार संभाला

बैतूल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर डॉ. मनोज हुरमाडे ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में संघ के प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष प्रकाश माकोड़े, प्रांतीय महामंत्री रामेंद्र मालवीय, जिला अध्यक्ष विजय ठाकुर सहित संजीव लोखंडे, मनीष श्रीवास, अनिल देशमुख, तुकाराम ठाकरे, श्रीराम बोरकर, रवि डिगरसे, बसंत, हरिशंकर इरपाचे, विजय गीते, ऋषभ कोवितकर, धन्ना धुर्वे, संतोष उइके, शंकरलाल टेकाम, देशमुख, जगदीश समेत संघ के समस्त सदस्य मौजूद थे।

खेल मनोरंजन ही नहीं, बेहतर करियर की दिशा भी है : गणेश यादव

ब्लाक समन्वयक खेल युवक कल्याण विभाग आमला के कुशल संयोजन में हुआ आयोजन

आमला, देशबन्धु। खेल एवं युवक कल्याण विभाग द्वारा विकास खंड आमला का ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का आयोजन रेलवे स्टेडियम आमला में सम्पन्न हुआ ।30 दिवसीय इस आयोजन में प्रतिभागियों ने हाकी, खोखो सहित विभिन्न खेलो का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आज इस शिविर का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।रेलवे इंस्टीट्यूट आमला के सभाकक्ष में आयोजित इस समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर गणेश यादव जनपद अध्यक्ष आमला उपस्थित थे विशेष अतिथि के तौर पर नितिन गाडरे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आमला उपस्थित थे,विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिवराम सिंह सब इंस्पेक्टर आर पी एफ आमला,बी के सूर्यवंशी एस एस ई सी एंड डबलू रेलवे आमला,एम के ठेपे एन आर एम यू आमला,रविशंकर कुमार पटेल सी आर एम एस आमला,श्रीमती पीटर मैम बैतूल उपस्थित थे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती ओमवती विश्वकर्मा पार्षद आमला ने की। अन्य अतिथियों में भोजराज सिंह चौहान सेवानिवृत शिक्षक,शेख हमीद रेलवे इंस्टीट्यूट आमला,अशोक झा प्रसिद्ध खेल प्रशिक्षक,स्वप्निल यादव नेशनल बाइकर,अनिता झा,महेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में शिविर के संदर्भ में रामनारायण शुक्ला ब्लाक समन्वयक खेल एवं युवक कल्याण विभाग बैतूल द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि एक माह तक चले इस शिविर में लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।खो खो,हाकी सहित विभिन्न खेलो का प्रशिक्षण प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया सुबह 2 घंटे और शाम को 2 घंटे प्रशिक्षण दिया जाता था ।सभी ने अच्छे तरीके के प्रशिक्षण प्राप्त किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गणेश यादव जनपद अध्यक्ष आमला ने कहा कि खेल मनोरंजन ही नहीं बल्कि बेहतर करियर का साधन भी है ।अपने उद्बोधन में नितिन गाडरे नपा अध्यक्ष आमला ने कहा कि खेल हमें प्रतिबद्धता और अनुशासन सिखाता है ।अपने उद्बोधन में बसंत सूर्यवंशी ने कहा कि खेल ही वह सशक्त माध्यम है जो लोगों को संघर्ष और सामूहिकता के भाव सिखाता है ।अपने उद्बोधन में शिवराम सिंह ने कहा कि खेल लोगो को जोड़ने का कार्य करता है ।अपने उद्बोधन में पार्षद ओमवती विश्वकर्मा शेख हमीद और अशोक झा जी ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए ।कार्यक्रम में यूथ फेस्टिवल ऑफ इंडिया द्वारा नशा मुक्ति पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित भी किया गया ।बच्चे पुरस्कार पाकर बहुत खुश हुए ।शिविर के दौरान प्रतिभागियों को प्रतिदिन स्वल्पाहार की व्यवस्था विभिन्न संगठनों और गणमान्य लोगों द्वारा की गई थी इस अवसर पर उन्हें भी सम्मानित किया गया ।विशेषकर शैलेन्द्र बड़ोनिया एस डी एम आमला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ ।निर्मल सिंह ठाकुर परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग एवं विभाग के सुपर वाइजर कार्यकर्ता सहित नगर पालिका आमला ने सहयोग किया ।इस अवसर पर सहयोग करने वाले सहयोग फाउंडेशन आमला,भोजराज सिंह चौहान,गोपाल कर्मी उपस्टेशन प्रबंधक,नितेश खातरकर,मनोज विश्वकर्मा,आशीष माकोड़े ,राजेश गावंडे सहित अन्य लोगों को सहयोग देने हेतु सम्मानित किया गया।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, मंगलवार 10 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

11 सालों के शासन का सर्वे

नरेन्द्र मोदी समेत पूरी भाजपा इस समय मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने की खुशियां मना रही है। इस मौके पर नरेन्द्र मोदी एक बार फिर नमो ऐप को सामने ले आए हैं, इस ऐप के जरिए वे जन मन सर्वे कर रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग इस पर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर अपनी राय सामने रखें और बताएं कि पिछले 11 बरसों में भारत के विकास पर उनकी क्या राय है।

अक्सर सर्वे एजेंसियां चुनाव से पहले अलग-अलग मुद्दों पर इसी तरह सर्वे कराती हैं, जिनमें लोगों से शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद से लेकर किन मुद्दों पर वोट करेंगे जैसे सवाल किए जाते हैं। पूछा जाता है कि मौजूदा सरकार को वे कितने अंक देंगे, दोबारा मौका देंगे या नहीं, विपक्ष के लिए क्या संभावनाएं हैं। फिर सर्वे से हासिल आंकड़ों के आधार पर दल चुनावों को लेकर अपनी रणनीति बनाते हैं। जनता के जवाब से उन्हें अपनी गलतियों का पता चल जाता है और गलती सुधारने का मौका भी रहता है। लेकिन आजकल इसमें भी गफलत होने लगी है। अब राजनैतिक दल जनता पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए भी सर्वे कराते हैं। जैसे किसी व्यक्ति विशेष को ही शीर्ष पद के योग्य दिखाकर उसे पक्ष में माहौल बनाया जाता है। या चुनावों में नैरेटिव तय करने में इन सर्वेक्षणों को जरिया बनाया जाता है। चुनावों के वक्त जो ओपिनियन पोल होते हैं, यह भी इसी खेल का हिस्सा है। अर्थात निष्पक्ष सर्वे करवाकर वास्तव में जनता की राय जानने की जगह राजनैतिक दल जनता को मानसिक तौर पर प्रभावित करते हैं कि वह वही सोचे और कहे, जो ये चाहते हैं। आजकल ऐसे सर्वे में मीडिया की भी बड़ी भूमिका हो चुकी है।

इस पृष्ठभूमि में देखें तो नमो ऐप के जरिए श्री मोदी जनता की जो राय लेना चाहते हैं, उसकी सार्थकता और सत्यता दोनों पर सवाल उठते हैं। पहली बात तो यही अजीब लगती है कि देश के प्रधानमंत्री को जनता की राय जानने के लिए अपने ही नामाक्षर के ऐप पर निर्भर होना पड़ता है। एक-दो साल नहीं पूरे 11 बरस से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं और देश-विदेश में वे लगातार घूमते हैं। खास कर चुनाव प्रचार के क्क्त वे दिल्ली में कम और चुनावी राज्य में अधिक दिखाई पड़ते हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि जनता उनके फैसलों का मूल्यांकन करे। दूसरी बात अपने काम पर प्रधानमंत्री जनता की मुहर लगवाना चाहते हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन क्या उन्हें विपक्ष की आलोचना को सुनने की हिम्मत नहीं दिखाना चाहिए। हाल ही में पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विपक्ष बार-बार संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर चुका है। दो-दो सर्वदलीय बैठकें हो गई हैं, लेकिन श्री मोदी एक भी बैठक में नहीं गए, न उन्होंने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया। बल्कि अभी से मानसून सत्र की तारीख बता दी। जबकि संसद सत्र की तारीखें अमूमन हफ्ते भर पहले आती हैं, जो इस बार डेढ़ महीना पहले घोषित हो गईं। संसद में प्रधानमंत्री अपनी पूरी सरकार के साथ बैठें और विभिन्न फैसलों पर विपक्ष की राय सुनें तो उसी से 11 सालों का मूल्यांकन हो जाएगा। लेकिन ये रास्ता भी श्री मोदी ने नहीं चुना।

तीसरी बात मीडिया के जरिए 11 बरसों का लेखा-जोखा हो सकता था। श्री मोदी ने अपने कार्यकाल के पहले साल से लेकर अब तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस नहीं की, यह अपने आप में एक शर्मनाक रिकार्ड है। लोकतंत्र में खुले संवाद में मीडिया की अहम भूमिका रहती है। लेकिन अभी भारतीय मीडिया की साख किस तरह दांव पर लगी है, इसका एक उदाहरण वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख से सामने आया है। जिसमें यह उजागर किया गया है कि भारत के प्रमुख न्यूज़ चैनलों ने 9 मई की रात पाकिस्तान में तख्तापलट और युद्ध जैसी मनगढ़ंत खबरें फैलाईं, जो पूरी तरह झूठी साबित हुईं। रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह व्हाट्सएप संदेशों, अज्ञात सूत्रों और सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर भारतीय मीडिया ने एक काल्पनिक युद्ध का ताना-बाना बुना, जिसे न तो सेना ने पुष्टि की और न ही सरकार ने। वॉशिंगटन पोस्ट ने यह जानने के लिए कि देश की सूचना प्रणाली कैसे झूठ और भ्रम से भर गई—और कैसे इसने एक निर्णायक क्षण के बारे में जनता की समझ को विकृत कर दिया, भारत के कुछ सबसे प्रभावशाली समाचार नेटवर्कों से जुड़े दो दर्जन से अधिक पत्रकारों और वर्तमान व पूर्व भारतीय अधिकारियों से बात की है, जिसका ब्यौरा इस लेख में दिया है।

ऐसा नहीं है कि जिन पत्रकारों ने पाकिस्तान के शहरों को तबाह करने या तख्तापलट जैसी खबरें चलाईं, वो अनजाने में हुआ है। बल्कि यह सब मोदी सरकार को अपराजेय दिखाने के लिए किया गया। जबकि चैनलों के पत्रकार यह बेईमानी नहीं करते, तब भी भारत विजेता ही रहता, क्योंकि हमारी सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाया। लेकिन देश से बड़ा सरकार को दिखाने में पत्रकारों ने अपने पेशे को भी दगा दे दिया। 11 सालों के शासन का एक शर्मनाक और शोचनीय पहलू यह भी है कि स्वतंत्र मीडिया सहर्ष गुलाम बनने तैयार हो गया है। श्री मोदी ऐसे गुलाम मीडिया के कुछ पत्रकारों को भले बिठाकर पहले से तैयार जवाब दे दें, लेकिन उनसे हकीकत सामने नहीं आएगी। सच्चाई का पता तो तभी लगेगा जब स्वतंत्र प्रेसवार्ता हो और उसमें सरकार के फैसलों पर, कामयाबियों और नाकामियों पर खुलकर सवाल पूछने दिए जाएं और श्री मोदी खुद उनका जवाब देने के लिए वहां बैठे।

श्री मोदी अभी 11 सालों की खुशियां मना रहे हैं, जबकि तीसरा कार्यकाल पूरा होने में 4 साल और बाकी हैं। वैसे भारत में जनता की मर्जी हो तो श्री मोदी कितनी भी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं, उसमें कोई मनाही नहीं है। हमारा लोकतंत्र और संविधान इसकी इजाज़त देता है, लेकिन श्री मोदी क्या केवल प्रधानमंत्री की कुर्सी चाहते हैं, या इस देश के लोकतंत्र को अपने पद से भी ऊपर रखना चाहते हैं, 11वें साल में यह मंथन भी वे कर लें।

ऑपरेशन सिंदूर: संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार?

आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, 'आपरेशन सिंदूर' समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे-सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्ताविक सामान्य सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यत: सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो-तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है।

मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी और हैरानी की बात नहीं होगी कि उसे भी खींच-खींचकर सत्र के अंत पर धकेल दिया जाए, जिससे सत्र का समापन इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी के लफ्फाजी भरे भाषण के साथ कराया जा सके। जिस तरह मणिपुर के मामले में संसद के किसी भी हस्तक्षेप का विफल होना सुनिश्चित किया गया था और यहां तक केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का फैसला लिया भी तो, उक्त बहस से लंबे अंतराल के बाद, सत्ताधारी पार्टी के अपने ही तकाजों से इसका फैसला लिया था। उसी प्रकार, पहलगाम और उसके बाद के घटनाक्रम पर, किसी भी जवाबदेही से सरकार को बचाने की ही कोशिश की जा रही होगी।

ऐसा किसलिए किया जा रहा है, यह जानना मुश्किल नहीं है। इसके पीछे औपचारिक रूप से तो कोई तर्क ही नहीं है क्योंकि जैसा कि हमने पहले ही कहा, सरकार ने

राजेंद्र शर्मा

> मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, ठीक यही अर्थ है।

विशेष सत्र बुलाने की मांग को सुना-अनसुना ही कर दिया है। बहरहाल, अनौपचारिक रूप से इसके पीछे जो तर्क काम कर रहा है, उसकी झलक हमें मोदीशाही की ट्रोल सेना से लेकर सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ताओं तक के अलग-अलग बयानों में दिखाई दे जाती है। इस तर्क का सार यही है कि विपक्ष को और जाहिर है कि उसके माध्यम से आम जनता को, सरकार द्वारा जो कुछ कहा-बताया गया है, उसके अलावा कुछ भी जानने की जरूरत ही क्या है? इसी तर्क का विस्तार है कि संसद में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी द्वारा साढ़े तीन दिन के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय पक्ष को हुए नुकसान के बारे में सवाल पूछे जाने पर, इस तरह के सवालों को 'पाकिस्तान की आवाज' करार देकर, दबाए जाने की ही कोशिशें की गयी हैं। और शस्त्रविराम के पूरे महीने भर बाद भी आधिकारिक रूप से इस सैन्य कार्रवाई में भारतीय पक्ष के नुकसान की, खासतौर पर विमानों के नुकसान की, कोई जानकारी देना ही जरूरी नहीं समझा गया है। हद से हद उच्च सैन्य अधिकारियों की ओर से गोल-मोल तरीके से यह स्वीकार किया गया है कि, 'लड़ाई में नुकसान तो होता ही है'। जाहिर है कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का यह ऐलान एक आसान बहाना बन गया है कि 'आपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ पॉज हुआ है।' शस्त्रविराम के बाद भी लड़ाई जारी रहने की यह मुद्रा, किसी भी वास्तविक जवाबदेही के तकाजों के खिलाफ एक बड़ी ढाल बन जाती है।

कहने की जरूरत नहीं है कि पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, सरकार से जवाब लिए जाने के लिए थोड़ा नहीं, बहुत कुछ है। बेशक, पहलगाम की दरिंदगी के डेढ़ महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद भी ये सवाल अनुत्तरित ही बने हुए हैं कि इस घटना के पीछे की सुरक्षा चूक के लिए कौन जिम्मेदार था और इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आतंकवादी, कहां से आए थे और कहां गायब हो गए? लेकिन, पहलगाम की घटना से, उसकी जिम्मेदारी से संबंधित सवाल ही नहीं हैं, जो अनुत्तरित बने हुए हैं। इस घटना के बाद से मोदी सरकार की जो प्रतिक्रिया सामने आई है और खासतौर पर 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से जो सैन्य प्रतिक्रिया सामने आई है, उसे लेकर भी कोई कम सवाल नहीं हैं। इसमें, जिस प्रकार शस्त्र विराम हुआ है उससे जुड़े और खासतौर पर शस्त्रविराम कराने में अमरीकी प्रशासन की भूमिका से जुड़े सवाल भी शामिल हैं। हम इसकी ओर से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब तक एक दर्जन बार इसका दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराया है, नाभिकीय टकराव के खतरे को टालने के लिए युद्ध विराम कराया है और व्यापार का लालच/धमकी देकर युद्ध विराम कराया है। और प्रधानमंत्री मोदी ने इन दावों पर चुप्पी ही साधी हुई है। और कुछ हो न हो, 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए आतंकवाद के समर्थन के लिए पाकिस्तान को सजा देने के चक्कर में, भारत-पाकिस्तान के बीच के झगड़े में, अमेरिका के रूप में ताकतवर तीसरे पक्ष को ले आया गया है। इसने इसे भारत के लिए एक प्रकार से खुद अपने ही पाले में गोल करने का मामला बना दिया है।

लेकिन, सवाल सिर्फ तीसरे पक्ष को बीच में ले आए जाने का ही नहीं है। आतंकवादियों की कार्रवाई के जवाब के तौर पर इस तरह की सैन्य कार्रवाई का चुनाव भी, बड़े सवालों के घेरे में है। इस तरह के विकल्प को ही प्रधानमंत्री मोदी का 'नया नॉर्मल' घोषित करना तो और भी बड़े सवालों के घेरे में है। बेशक, भारत की ओर से शुरूआत में टकराव को सीमित रखने की और प्रहार को आतंकवादी ठिकानों पर सीमित रखने की कोशिश की गयी थी। विदेश मंत्री के अनुसार, इस संबंध में शुरूआत में ही पाकिस्तान को सूचित भी कर दिया गया था, जिससे वह जवाबी सैन्य कार्रवाई से दूर रहे। लेकिन, यह सब जिस पूर्वानुमान पर आधारित था कि पाकिस्तान अपनी सीमाओं में घुसकर सैन्य कार्रवाई किए जाने को बिना सैन्य जवाब के स्वीकार कर लेगा, न सिर्फ गलत साबित हुआ बल्कि उसे तो गलत साबित होना ही था। इस गलत पूर्वानुमान के आधार पर सैन्य विकल्प का चुनाव किया गया, जो वस्तुगत रूप से बहुत महंगा साबित होने के अर्थ में उल्टा ही पड़ा है।

एक ओर इन तमाम प्रश्नों पर देश की संसद का मुंह पहलगाम की घटना के पूरे तीन महीने बाद तक बंद ही रखने का इंतजाम कर दिया गया है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी संघ-भाजपा ने, 'आपरेशन सिंदूर' को राजनीतिक/चुनावी रूप से भुनाने की जबर्दस्त मुहिम छेड़ रखी है। यह मुहिम बेशक, बिहार के आने वाले विधानसभाई चुनाव पर केंद्रित है, जो इसी साल और कुछ ही महीनों में होने जा रहा है। लेकिन, यह मुहिम पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल आदि के चुनाव के लिए भी, है जो अगले साल के शुरू के महीनों में होने हैं। इसी के लिए, लड़ाई रुकने के महीने भर बाद भी, 'रगों में सिंदूर दौड़ता है' की लफ्फाजी के जरिए, युद्धोन्माद बनाए रखा जा रहा है। संसद को पंगु बनाकर, इस तरह की मुहिम का चलाया जाना, बेशक मोदीशाही के तानाशाहाना मिजाज की ही गवाही देता है। इसे देखते हुए, हैरानी की बात नहीं है कि शेष दुनिया आज, आतंकवाद का शिकार होने के बावजूद, भारत के साथ खड़े होने से कतरा रही है। धर्मनिरपेक्षता और जनतंत्र, देश के अंदर दोनों को दफ्न करने पर तुली मोदीशाही की नीयत पर, बाहरी मामलों में भी कोई भरोसा करेगा भी तो कैसे?

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है हथियार नीति

■ डॉ. ज्ञान पाठक

पूर्वोत्तर भारत में सबसे मुखर हिंदुत्व चेहरा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा, जिन्होंने अतीत में सांप्रदायिक आग को भड़काने का शौक दिखाया है, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने हथियारों के संघर्ष की और भी भयानक आग के साथ खेलने का फैसला किया है, अगर राज्य में उनकी नयी हथियार नीति किसी भी तरह का संकेत देती है। उनके नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा नागरिकों के हाथों में अधिक हथियार देने का निर्णय पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवादी और सांप्रदायिक हिंसा को और बढ़ायेगा, जो पहले से ही काफी समय से इस तरह के खतरे से पीड़ित है।

हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं।

उनके बयान से दो बातें उभर कर आईं - पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैं; और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं।

> सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड़ना चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है। सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? देश के हर नागरिक के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गयी है, और सरकारें इसकी गारंटी लेती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग केवल इसलिए असुरक्षित हैं क्योंकि केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है, और असम सरकार अपनी सीमा के भीतर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ है।

केंद्र और असम में भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने की अपनी जिम्मेदारी विपक्ष पर डालने की कोशिश करती रही है, बार-बार देश को बताती रही है कि विपक्षी राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेश से मुस्लिम घुसपैठियों को अनुमति देते रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारें क्या कर रही हैं - असम में 2016 से और केंद्र में 2014 से? बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोग यदि असुरक्षित हैं तो क्या यह उनकी सरकार की विफलता नहीं है? नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर सरकारें अपनी शक्तिशाली प्रशिक्षित सेना और सशस्त्र पुलिस बल के साथ सुरक्षा नहीं दे सकती हैं, तो नागरिक केवल हथियारों की आपूर्ति से खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं?

नागरिक न तो खुद की रक्षा कर सकते हैं और न ही अपने हथियारों की। हमने हाल ही में मणिपुर में इसे देखा है, जहां विद्रोही या उग्रवादी समूहों द्वारा सशस्त्र बलों से हथियार लूटे गये थे। असम के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से इससे कोई सबक नहीं लिया है। यही कारण है कि कैबिनेट नोट में कहा गया है कि नीति का उद्देश्य गैरकानूनी खतरों के लिए निवारक के रूप में कार्य करना और स्वदेशी समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास में सुधार करना है। यह सरकार की गलत धारणा है, क्योंकि हमने पूरे देश में देखा है कि हथियार रखने वाले लोगों को उग्रवादी समूहों द्वारा केवल हथियार छीनने के लिए निशाना बनाया जाता है। हथियार आपूर्ति करने के बाद नागरिकों की सुरक्षा कौन करेगा?

असम सरकार ने नयी हथियार नीति को मंजूरी देकर अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया है कि सरकार के सुरक्षा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को सुरक्षा देने में असमर्थ हैं। शर्मा ने खुद कहा, 'बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के कारण इन जिलों में मूल निवासी असुरक्षा के माहौल में रह रहे हैं। उन्हें बांग्लादेश की ओर से और यहां तक कि अपने ही गांवों से हमलों का खतरा है।' नयी हथियार नीति कथित तौर पर असम के धुबरी, नागांव, मोरीगांव, बारपेटा, गोलपारा और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिलों में लागू की जायेगी, जहां बांग्लादेश मूल के मुस्लिम बहुसंख्यक हैं और मूल निवासी अल्पसंख्यक हैं।

शर्मा ने कहा है, 'सरकार पात्र लोगों को हथियार लाइसेंस देने में उदारता बरतेगी, जो मूल निवासी होने चाहिए और मूल निवासी समुदायों से संबंधित होने चाहिए।' इसका क्या मतलब है? गैर-मुस्लिमों, स्वदेशी लोगों और मूल निवासियों यानी हिंदुओं को प्रभावी ढंग से हथियार मुहैया कराये जायेंगे।

शर्मा ने जोर देकर कहा है कि नीति का उद्देश्य नागरिकों का सैन्यीकरण करना नहीं है, बल्कि 1985 से चली आ रही एक लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित करना है, लेकिन किसी भी सरकार ने यह निर्णय लेने की हिम्मत नहीं की। हालांकि यह नीति सीमावर्ती क्षेत्रों के नाम पर लायी गयी है, लेकिन इसे पूरे राज्य में लागू किये जाने की संभावना है। शर्मा ने कहा, 'सरकार उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करेगी जहां हम स्वदेशी लोगों को उदार तरीके से हथियार लाइसेंस देंगे। गुवाहाटी के हाटीगांव जैसे क्षेत्रों को भी संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया जा सकता है।'

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उदारतापूर्वक प्राप्त हथियार असम के सभी क्षेत्रों और अन्य जगहों पर भी पहुंच सकते हैं। पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों, खासकर अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड के सीमावर्ती राज्यों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। सीमा विवाद और संघर्ष के कारण अंतर-राज्यीय सीमा क्षेत्रों में सशस्त्र हिंसा का खतरा बढ़ जायेगा। हथियार उग्रवादी समूहों और विद्रोहियों के हाथों में भी पड़ सकते हैं, और गलत हाथों में भी। नागरिकों के हाथों में हथियार देना अत्यधिक जोखिम भरा है, जो राज्य के भीतर लोगों के विभिन्न समूहों के बीच हिंसा और सशस्त्र संघर्षों के प्रसार से कम नहीं है, और पूरे पूर्वोत्तर में भी, जो पहले से ही जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा से पीड़ित है।

भारत में माओवादी खतरे का मुकाबला करने के लिए छत्तीसगढ़ में नागरिकों को हथियार आपूर्ति करने का एक उदाहरण है, जिसके कारण 2000 के दशक में अराजकता फैल गयी थी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा और नीति को अवैध घोषित करना पड़ा। असम के मुख्यमंत्री ने शायद उससे भी कोई सबक नहीं सीखा। फिर अन्य मुद्दे हैं - जैसे सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ते जोखिम और सशस्त्र नागरिकों द्वारा अन्य लोगों के खिलाफ सतर्कतावाद। असम और पूर्वोत्तर पहले से ही देश का बहुत संवेदनशील क्षेत्र है। जहां तक सांप्रदायिक, जातीय, उग्रवादी या विद्रोही हिंसा का सवाल है, उनका इस क्षेत्र में इतिहास रहा है।

आत्मरक्षा के लिए कथित तौर पर नयी हथियार नीति के माध्यम से नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देकर, भाजपा की डबल इंजन सरकार नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने की अपनी मूल जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है, और लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से कानून अपने हाथ में लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। केंद्र और राज्य को अपनी सुरक्षा उपस्थिति बढ़ानी चाहिए और नागरिकों को हथियार देने की नीति को छोड़ना चाहिए। सरकार की सुरक्षा के अभाव में, नागरिकों के विशिष्ट समूह को हथियार देने का विचार सबसे खतरनाक खेल है।

आपके पत्र

विश्व युद्ध संपूर्ण मानवता के लिए अभिशाप

भारत को पहलगाम में आतंकवादी हमले से 27 निरीह लोगों की हत्या के परिणाम स्वरूप जवाबी कार्रवाई पर ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों तथा लगभग 21 हवाई ठिकानों को नष्ट करना पड़ा तब जाकर पाकिस्तान घुटनों पर आया और संधि वार्ता के लिए रहम की भीख मांगता रहा। इजराइल पर हमास ने आतंकवादी हमला कर 700 लोगों की जान ले ली। उसे आतंकवादी हमले के जवाब में इजरायल हमास तथा गाजा पट्टी को समूल नष्ट करने पर उतारू है। रूस ने यूक्रेन पर अपनी विस्तारवादी सनक के कारण ताबड़तोड़ हमले किये, ताजा स्थिति में जब यूक्रेन के सैकड़ों ड्रोन अटैक से उसके कई फाइटर जेट नष्ट हुए हैं। जवाब में रूस ने भी यूक्रेन पर लगातार श्रृंखला में आक्रमण शुरू कर दिया है। किसी देश की विस्तारवादी लालसा को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है, अपनी भौगोलिक सीमाओं को आगे ले जाना और अपनी देश की पड़ोसी देश की इच्छा के विरुद्ध उसे पर हमला करना भी एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद ही है। इन सब के परिणाम स्वरूप विश्व युद्ध को विकल्प के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए विश्व युद्ध मानवता के लिए एवं मानवीय जगत के लिए अभिशाप भी माना जाता है। हमलायुद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इजराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और लाखों फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इजराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है। युद्ध अभी तक थमा नहीं है। युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती जा रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध के इतने दिनो से युद्ध की परिणति में सिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है। रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है।

यह गैस पाइपलाइन यूक्रेन के क्षेत्र से होकर जनवरी तक जाती है। इससे नाटो देश को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान की संभावना भी है। दूसरी तरफ यूक्रेन, क्रीमिया को अपने पास वापस अपने आधिपत्य में लेना चाहता है, जो वर्तमान में रूस के कब्जे में है, इसके अलावा रूस ने यूक्रेन के दो बड़े क्षेत्र लुहानस्क और डोनट्स रिपब्लिक को राज्य के रूप में मान्यता दे दी है, यह बहुत बड़े क्षेत्र और इन्हीं के माध्यम से उसने अपनी सेना को यूक्रेन में दाखिल भी किया था। इन दो बड़े रिपब्लिक को देश की तरह मान्यता देने पर अमेरिका तथा ब्रिटेन और नाटो देशों ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन की बात कह कर भरपूर सार्वजनिक निंदा भी की है और किसी स्वतंत्र देश की प्रभुसत्ता पर हस्तक्षेप भी बताया है। निश्चित तौर पर भारत के यूक्रेन तथा रूस के साथ अच्छे संबंधों के कारण शांति बहाली की अपील कर रहा है, और इसका असर भी हो सकता है। यह तो तय है कि रूस और यूक्रेन के बीच यदि युद्ध में कोई भी विदेशी ताकत हस्तक्षेप करती है, तो विश्व युद्ध की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। रूस ने यूक्रेन की मदद के लिए किसी भी देश के आने पर भयानक अमेरिका ब्रिटेन और नाटो देशों की भूमिका सदैव संदिग्ध ही रही है।

संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

भीष्म साहनी: जन्मशती स्मरण

'भीष्म साहनी एक व्यक्ति के रूप में जितने सहज और सरल थे, उनकी रचनाएं भी उस सहज-सरल शैली में सामर्थ्य के साथ रची गई हैं। यदि अतिशयोक्ति के विरुद्ध अल्पोक्ति जैसे किसी विशेषण का इस्तेमाल किया जा सके तो मैं कहना चाहूंगा कि भीष्म साहनी अल्पोक्ति के कलाकार हैं। अंग्रेजी में एक शब्द है- अंडरस्टेटमेंट। यह विशेषण भीष्मजी की रचना शैली पर बखूबी लागू किया जा सकता है। उनके उपन्यास हों, नाटक हो या तमाम कहानियां, सबमें यही देखने मिलता है कि वे न तो नाटकीय रूप से घटनाओं का सृजन करते हैं और न अपनी ओर से कोई बयानबाजी करते हैं। वे जिन घटनाओं को अपनी रचनाओं का आधार बनाते हैं वे रोजमर्रा के जीवन में घटित होती हैं और हम सबने उनका कभी न कभी अनुभव किया है। किन्तु मेरी निगाह में उनकी खूबी यह है कि वे अपने पात्रों के माध्यम से उन घटनाओं को एक नए अर्थ से भर देते हैं जबकि ये पात्र भी सामान्य जनजीवन से ही आते हैं।'

(अक्षर पर्व जून 2015 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/06/blog-post_12.html

पावन प्रसंग

बाहर नहीं भीतर है संतोष

तीर्थयात्रा से पाप, कष्ट कटते हैं इसलिए तीर्थयात्रा की जाती है कि तीर्थ करने वाले के अंदर कहीं कोई दुर्भाव हो तो उसका निवारण हो जाए, मोह नष्ट हो जाए। अंधकार की कहीं क्षीण किरणें भी हों तो वे नष्ट हो जाएं और वहां प्रकाश की किरणें जगमगाने लगें। परमात्मा का नाम लेने से इसी उद्देश्य की प्राप्ति होती है। नाम संकीर्तन और नाम-महिमा के इस महत्व की बहुत कम लोग जान पाते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम-नाम का फल तत्काल बताया। जिन्हें श्रद्धा है, विश्वास है, वे अनुभव कर सकते हैं। परीक्षण की दृष्टि से हम एक बार अपने मन को खूब चंचल बनाएं और उसमें तम आने दें। उस समय राम शब्द का पांच-दस बार उच्चारण करने पर हम देखेंगे कि मन अब पहले जैसा चंचल नहीं होता है। मन में उठने वाली कामनाओं के जाल में कुछ कमी आती है। हम गहराई में उतरते हुए देखते जाते हैं कि तामसिक कामनाओं का, वृत्तियों का जाल कटता चला जा रहा है।

गोस्वामी तुलसीदासजी ने रामचरितमानस के मंगलाचरण में ही व्यक्ति को सावधान कर दिया है कि यदि तुम भगवान के दर्शन चाहते हो तो वह परमात्मा अत्यंत निकट है,जिसके स्वरूप को वेदांत ने स्पष्ट किया है। भक्त ही परमात्मा अपने निकट बैठाता है। परमात्मा केवल मंदिरस्थ ही नहीं होता। जिसकी जितनी एकाग्रता जिसके साथ होती चली जाती है लौकिक जीवन में भी वह व्यक्ति उसे उतना ही प्रिय लगने लगता है कि वह उसे हृदयेश्वर संबोधित करता है। मंदिरेश्वर परमात्मा से दूर है, परंतु हृदयेश्वर परमात्मा के दर्शन करना हो तो श्रद्धा आवश्यक है। कभी-कभी शुरू-शुरू में साधक घबरा जाता है कि मुझे ईश्वरदर्शन कैसे होंगे? गोस्वामी जी प्रारंभिक साधक को ही सावधान नहीं करते, सिद्ध लोगों को भी सावधान करते हैं, क्योंकि जब कोई सिद्ध बन जाता है, तो वह अपने को विधि-निषेध से अलग मानने लगता है। समाज उसे देखता है कि हमारे लिए आचरण योग्य हो। शायद देखने वाला समाज उस सिद्ध से कहीं अच्छा जीवन जी रहा होगा। ऐसे व्यक्ति को देखने के बाद वह अधोमुखी होता है। इसलिए गीता और मानसकार ने साधकों को कुछ नहीं कहा, श्रेष्ठ लोगों को ही कहा।

जैसा श्रेष्ठ पुरुष आचरण करते हैं समाज के लोग वैसा ही अनुकरण करते हैं। गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं कि सिद्ध होने पर भी व्यक्ति तब तक अरन अंत:स्थित भगवान का दर्शन नहीं कर सकते है जब तक श्रद्धा और विश्वास नहीं हो। वही परमात्मा हमारे भीतर व बहुत ही निकट है। परमात्मा हमारे हृदय में रहता है,उसका ध्यान करें तो बड़ा आनंद आता है। दुनिया की सारी वस्तुएं एक ही व्यक्ति को दे दी जाएं तब भी उसके लिए पर्याप्त नहीं होंगी। इसलिए जितना मिला है, उसे पर्याप्त मानने की कोशिश करें। इसका उपाय एक ही है कि विचारपूर्वक मानें कि जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है। जो प्राप्त नहीं है उस स्वप्न जैसे स्थान या राज्य में घूमेंगे तो मिल पाएगा या नहीं, यह कहना कठिन है। अगर मिल भी गया, तो उसके उपभोग की सामर्थ्य रखेंगे या नहीं, इसे भी कौन जानता है? आज मनुष्य प्रतिस्पर्धा की दौड़ में किधर भागा जा रहा है। गांव से नगर में, नगर से महानगर में, महानगर अच्छे नहीं लगे, तो विदेश प्रवास। विदेश में भी एक देश से दूसरे देश में गया। जिसे धरती पर सुख नहीं मिला, तो उसको और कहां सुख की कल्पना कैसे सुख दे सकती है?

-अखंड ज्योति

खेल जगत

इंग्लैंड में भारतीय तेज गेंदबाजों को अपनी लय पर भरोसा रखना होगा : भरत अरुण

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजी एक अहम कड़ी साबित होगी। भारतीय गेंदबाजों को लेकर पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण का सुझाव है कि इंग्लैंड में भारत की तेज गेंदबाजी इकाई को अपनी लय बनाए रखनी चाहिए और पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में परिस्थितियों के अनुरूप गेंदबाजी करनी चाहिए। ड्यूक गेंद का उपयोग करते हुए, गेंदबाजों को स्विंग का लाभ उठाने के लिए वहां की परिस्थितियों पर ध्यान देना होगा। जसप्रीत बुमराह भारत की तेज गेंदबाजी की अगुवाई करेंगे, लेकिन वे सभी पांच टेस्ट नहीं खेलेंगे। बुमराह, मोहम्मद सिराज और ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ही ऐसे तेज गेंदबाज हैं जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट मैच खेले हैं, जबकि रवींद्र जडेजा और कुलदीप को स्पिन गेंदबाजी विभाग में पहले से कुछ अनुभव है।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत का 'ब्रह्मास्त्र' साबित होंगे बुमराह

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 9 जून (देशबन्धु)। शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में उसके खिलाफ 'तेंडुलकर एंडरसन' ट्रॉफी के लिए पांच टेस्ट मैचों की क्रिकेट सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। भारत बेशक मौजूदा दशक के सबसे कामयाब बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद उनके अनुभव और साथ ही फिटनेस को लेकर जूझते तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न चुने जाने पर इन चारों की कमी इंग्लैंड में बेहद अखरेगी। अपने नए 'युवराज' यानी नए कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में 'यंग टीम इंडिया' के पास सभी क्रिकेट पंडितों को गलत साबित कर उसके नम और भारी वातावरण में टेस्ट सीरीज नया इतिहास लिखने का मौका है। भारत के तुरुप के तेज गेंदबाज बुमराह ने मेडिकल टीम की सलाह पर पूरी सीरीज के बजाय केवल तीन टेस्ट के लिए उपलब्ध होने पर टीम हित में खुद को कप्तानी की होड़ से अलग कर लिया और इससे ही शुभमन गिल ने भारत के नए टेस्ट कप्तान की जिम्मेदारी संभाली। टीम इंडिया के चीफ कोच गौतम गंभीर ने भारतीय टीम के इंग्लैंड रवाना होने से पहले यह साफ बता दिया था कि टीम के तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ अधिकतम केवल तीन टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। बड़ा सवाल यह है कि जसप्रीत बुमराह भारत को पांच टेस्ट की सीरीज के किन टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे? अनुमान यही है कि इंग्लैड को उसके घर में कड़ी टक्कर देने के लिए भारत शुरू के दो टेस्ट में तो उन्हें जरूर उतारेगा क्योंकि दोनों टीम के बीच कई दिन का फर्क है। पाकिस्तान को हाल ही में युद्ध में पस्त करने में भारत की स्वदेशी ब्रम्होस मिसाइल के खूब चर्चे हैं। ठीक इसीलिए भारत की इंग्लैंड में उसके खिलाफ पांच टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए पहुंची क्रिकेट टीम में सबसे ज्यादा उसके

तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खूब चर्चे हैं। सच तो यह है कि बुमराह में अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले अपने दम गेंद से मैच की तस्वीर बदलने का दम रखते हैं। फिटनेस की चिंताओं के बावजूद यह बात तो तय है कि बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय गेंदबाजी के तुरुप के इक्के साबित होंगे। मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ भारत का 'ब्रह्मास्त्र' साबित होंगे बुमराह। इंग्लैंड को भारत के 'ब्रह्मास्त्र' राह से चौकस रहने की जरूरत है।

जसप्रीत बुमराह का यह तीसरा इंग्लैंड दौरा होगा। नम और भारी मौसम में बुमराह ने पांच टेस्ट की सीरीज में यदि इंग्लैंड की बल्लेबाजी की सबसे मजबूत कड़ी जो रूट, बेन डकेट ऑली पोप, जाक क्राली, कप्तान बेन स्टोक्स और हैरी ब्रुक के रूप में शीर्ष क्रम में तीन को भी सस्ते में आउट कर दिया तो फिर वह मेजबान टीम को वह भारत के मोहम्मद सिराज अथवा बाएं हाथ के अर्शदीप सिह जैसे तेज गेंदबाजो की त्रिमूर्ति के साथ शार्दूल ठाकुर व नीतिश रेड्डी मिल कर

■ बुमराह का मानना अति आक्रामक इंग्लैंड को टेस्ट सीरीज में हरा सकता है भारत

■ इंग्लैंड में इस्तेमाल की जाने वाली ड्यूक बॉल से गेंदबाज करना बुमराह को पसंद

सांस नहीं लेने देंगे।बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में मौजूदा टेस्ट सीरीज से पहले आठ टेस्ट खेल कर वहां 35 विकेट चटकाए ही हैं वह इंग्लैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी खेल चुके हैं। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'भारत अति आक्रामक इग्लैंड को इस टेस्ट सीरीज में हरा सकता है। मुझे हालाकि इंग्लैंड की बेहद आक्रामक अंदाज में टेस्ट क्रिकेट खेलने की शैली बहुत ज्यादा समझ नहीं आती है। गेंदबाजी इकाई के रूप में हमारा हमेशा यही यकीन रहा है कि जब बल्लेबाज अति आक्रामक बल्लेबाजी करते है तो दिन आपका हो तब कोई भी गेंदबाज विकेट चटका प्रतिद्वंद्वी टीम की पूरी बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकता है।

कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ इस दौरे पर पहला टेस्ट 20 जून से लीडस में खेलेगी। टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे पर अभ्यास सत्र रविवार को बेकेनहैम ,लंदन में किया। जसप्रीत बुमराह अभ्यास सत्र में पूरी शिद्दत से गेंदबाजी करने के साथ चीफ कोच गौतम गंभीर व बाकी कोचों और भारत के अपने साथी तेज गेंदबाजों के साथ बतियाते और उनसे अपना अनुभव साझा करते दिखे। जब भारतीय टीम बेकेनहैम के मैदान पर पसीना बहा रही तो आसमान में धूप छांव की आखमिचौली चल रही थी। मौसम के नम होने के चलते बेकेनहेम (केंट) के मैदान पर बुमराह ने गेंदबाजी करते हुए धार के साथ रफ्तार की बानगी पेश की।

बुमराह का भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम की ओर से इंग्लैंड का यह टेस्ट दौरा होगा। बुमराह ने अपने टेस्ट करियर का आगाज 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में किया। बुमराह ने ट्रेंट में अपने टेस्ट करियर का आगाज करते हुए पांच विकेट चटका 0-2 से पिछड़ रहे भारत को जिता उसकी सीरीज में वापसी कराई थी। बुमराह ने 2021 की सीरीज में ट्रेंट ब्रिज में पहले ही टेस्ट में पांच विकेट चटका उसे लगभग जीत की स्थिति में पहुंचा दिया लेकिन बारिश ने तब इंग्लैड को बचा लिया। बुमराह ने 2021 में ही सीरीज के अगले व दूसरे टेस्ट में लॉर्डस में मोहम्मद शमी के साथ आखिरी विकेट के लिए 89 रन की अटूट भागीदारी करने के बाद जीत के लिए दूसरी पारी में 272 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैड को मोहम्मद सिराज के साथ मिल आपस में सात विकेट बांट कर उसे मात्र 120 पर ढेर कर 150 रन से जीत दिला पांच टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाई थी हालांकि इसमें मैन ऑफ द मैच पहली पारी में शतक जड़ने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल रहे थे। इस इंग्लैड दौरे पर इंडिया ए के लिए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दूसरे चार दिन के मैच में बतौर सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में अर्द्धशतक खासा सुखद है।

बुमराह के हक में सबसे अच्छी बात यह है कि वह जानते हैं कि इंग्लैंड में ड्यूक बॉल कैसे हरकत करती है और उसका बढ़िया इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है। रविवार को भारतीय क्रिकेट टीम के इंग्लैंड दौरे के पहले अभ्यास दौरे पर वह जिस तरह पूरी लय और बिना किसी दिक्कत के गेंदबाजी करते दिखे उससे यह सोचना भी मुश्किल था कि वह पीठ में जकड़न के चलते सिडनी में टेस्ट के बीच से हट गए थे। बावजूद इसके बीसीसीआई की मेडिकल टीम ,भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ता साथ मिलकर उन्हें आगे किसी भी चोट की आशंका को खत्म करने के लिए उनका बहुत समझ बूझ से इस्तेमाल कर रही है। भारत के चीफ कोच गौतम गंभीर और नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल प्रतिबद्ध बुमराह का संभल कर उनकी सुविधा से वह जिन भी तीन टेस्ट मैच में खेलेंगे उनमे इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी। जसप्रीत बुमराह दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज हैं और वह इंग्लैंड के नम और भारी मौसम में जहां गेंद काफी स्विंग होती है और वह अपने दम मेजबान इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सभी कयासों को गलत साबित करते हुए भारत की विराट, रोहित और रविचंद्रन अश्विन की गैरमौजूदगी में कमजोर आंकी जा रही टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सभी को चौंका सकते हैं। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान माइकल क्लार्क से बातचीत मे कहा, ' इंग्लैंड में खेलना हमेशा ही एक अलग चुनौती होता है लेकिन मुझे वहां टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल की जाने वाली ड्यूक बॉल से गेंदबाजी करना पसंद है। हालांकि मुझे यह मालूम नहीं है कि इस समय ड्यूक बॉल इंग्लैंड में कितनी कामयाब है क्योंकि गेंद के मिजाज में बराबर बदलाव होता रहता है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में कौन, किस पर भारी

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमें 11-15 जून के बीच लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मैच खेलेंगी। पहला डब्ल्यूटीसी खिताब न्यूजीलैंड ने अपने नाम किया था, जबकि दूसरे खिताब को ऑस्ट्रेलिया ने जीता। दोनों बार भारतीय टीम ही उप-विजेता रही। इस बार ऑस्ट्रेलिया के पास दूसरी बार इस टाइटल को जीतने का मौका होगा, जबकि साउथ अफ्रीका टेस्ट इतिहास में पहली बार मिले इस 'गोल्डन चांस' को भुनाना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट इतिहास में अब तक के रिकॉर्ड को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया ने 101 मुकाबलों

में 54 जीते हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका की टीम अब तक 26 मैच जीत सकी है। दोनों देशों के बीच अब तक 21 मुकाबले ड्रॉ रहे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल को देखें, तो साउथ अफ्रीका 12 में से 8 मैच जीतकर शीर्ष पर रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 19 में से 13 मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल लॉर्ड्स में खेला जाना है, जहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार रही है। अगर ऑस्ट्रेलियाई खेमे को देखें, तो उसके पास जोश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज हैं, जबकि साउथ अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा, डेन पैटरसन और लुंगी एनगिडी जैसे गेंदबाज हैं। इन्हें पिच से मदद मिलने की उम्मीद जरूर होगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और साउथ अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा के पास बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज हैं, जो मुकाबले का रुख पलटने का माद्दा रखते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड,जोश इंग्लिस,उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन,नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

साउथ अफ्रीका की टीमः टेंबा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, मार्को यानसेन, केशव महाराज, एडन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

10 वर्षीय अतीका मीर रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में स्थान पाने वाली पहली भारतीय बनीं

त्रिनेक, 9 जून (एजेंसियां)। 10 वर्षीय भारतीय रेसिंग सनसनी अतीका मीर ने रोटैक्स यूरो ट्रॉफी में शीर्ष-10 में जगह बनाई है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह पहली भारतीय बन गई हैं। रोटैक्स यूरो ट्रॉफी एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग सीरीज है। स्टील रिंग सर्किट में आयोजित रोटैक्स यूरो ट्रॉफी राउंड 2 में अतीका मीर ने नौंवा स्थान हासिल किया है। फॉर्मूला 1 से आर्थिक और तकनीकी सहायता पाने वाली पहली भारतीय अतीका ने क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन किया और अपने ग्रुप में सातवें स्थान पर रहीं। दुर्भाग्य से उन्हें दो बंपर पेनाल्टी मिलीं, लेकिन इसके बावजूद वे हीट के बाद 10वें स्थान पर रहीं।

रविवार को प्री-फ़ाइनल में, आसमान खुल गया, और इस ट्रैक पर गीले मौसम में ड्राइविंग का कोई पूर्व अनुभव न होने के बावजूद, अतीका ने अपनी असाधारण प्रतिभा दिखाई और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों को कड़ी टक्कर दी। वह फाइनल के लिए क्वालीफाई हुई और ग्रिड पर 10वें स्थान पर रही। फाइनल और भी ज्यादा खतरनाक और गीले मौसम में आयोजित किया गया था लेकिन अतीका यहां भी शीर्ष फॉर्म में थी। शुरुआत में चार स्थान गिरने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने नौवां स्थान हासिल किया।

अतीका इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली भारतीय और एशियाई रहीं। अतीका ने कहा, 'वह अद्भुत वीकेंड था, मैंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्राइवरों के साथ ड्राइविंग करके बहुत कुछ सीखा। सूखे ट्रैक पर मेरी गति बहुत अच्छी थी, और गीले पर प्रगति अच्छी थी। टीम और मेरे मैकेनिक एडम ने इस सप्ताह बहुत अच्छा काम किया और मैं उनकी, अपने माता-पिता और घर के सभी लोगों की आभारी हूं।' रोटैक्स यूरो ट्रॉफी उन ड्राइवरों के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग चैम्पियनशिप है, जो रोटैक्स मैक्स इंजन का उपयोग करके दौड़ते हैं, जो विश्व स्तर पर सबसे लोकप्रिय कार्ट इंजनों में से एक है। फार्मूला 1 के जिन ड्राइवरों ने अपने प्रारंभिक वर्षों में इस शृंखला में दौड़ लगाई है, उनमें वर्तमान विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टैपेन, जॉर्ज रसेल, लैंडो नोरिस और वर्तमान चैंपियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्ट्री शामिल हैं।

सार संक्षेप

हम 'नेशंस लीग' जीतने के हकदार थे : पुर्तगाल कोच मार्टिनेज

म्यूनिख। स्पेन को 5-3 से हराकर नेशंस लीग का खिताब जीतने वाली पुर्तगाल टीम के हेड कोच रोबर्टो मार्टिनेज बेहद खुश दिखे। मार्टिनेज ने टीम के खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की और कहा कि हम खिताब जीतने के हकदार थे। म्यूनिख फुटबॉल एरीना में खेले गए नेशंस लीग फाइनल में निर्धारित समय में खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। पेनल्टी में पुर्तगाल ने स्पेन को हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल दो बार यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पहली टीम बन गई। जीत के बाद पुर्तगाल के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने कहा, 'फाइनल में जीत पर गर्व है। जीत बेहद अहम थी। हमने उस टीम के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए जीत हासिल की जिसे फाइनल खेलने का अनुभव है। मुझे अपने खिलाड़ियों का खेल और रवैया पसंद आया। हम जीत के हकदार थे।' हेड कोच ने कहा कि 11 से ज्यादा खिलाड़ियों का होना बेहद जरूरी है। यह खेल शारीरिक से ज्यादा मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है। मैच को लेकर हमारा दृष्टिकोण बेहद स्पष्ट था। बेंच पर बैठे खिलाड़ी भी जब मैदान में आए तो आक्रामक दिखे, इसने जीत में हमारी मदद की।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले उस्मान ख्वाजा ने बताया क्या है उनका 'रिटायरमेंट प्लान'

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल खेला जाना है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का मानना है कि वह अभी भी अपने खेल के शीर्ष पर हैं। अभी उस्मान ख्वाजा रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहे। उनका कहना है कि जब भी सही समय आएगा, वह अपने करियर को अलविदा कह देंगे। उस्मान ख्वाजा पूरे डब्ल्यूटीसी चक्र के दौरान ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर रहे हैं। ख्वाजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले खिताबी मैच से पहले कुल 1,422 रन बनाए हैं। वह मौजूदा चक्र के दौरान टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उस्मान ख्वाजा ने आईसीसी डिजिटल को बताया, 'मेरे लिए बढ़ती उम्र का कोई मतलब नहीं। अगर मैं अभी भी अपने खेल का लुत्फ उठा रहा हूं। अभी भी वास्तव में कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं, मैं अभी भी रन बना रहा हूं, अभी भी टीम में अपना योगदान दे रहा हूं, तो मेरे अंदर अभी भी भूख है।'

तमिलनाडु में पहला राज्य स्तरीय बधिर वॉलीबॉल टूर्नामेंट कोयंबटूर में सम्पन्न

कोयंबटूर। तमिलनाडु में बधिर और श्रवण बाधित खिलाड़ियों के लिए पहला राज्य स्तरीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट कोयंबटूर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। तमिलनाडु बधिर खेल परिषद और कोयंबटूर जिला बधिर संघ के संयुक्त तत्वावधान में रेसकोर्स क्षेत्र के एक निजी कॉलेज परिसर में यह टूर्नामेंट जूनियर और सीनियर वर्गों के लिए अलग-अलग आयोजित हुआ। इस आयोजन में चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरै, सलेम सहित तमिलनाडु के विभिन्न जिलों से 12 टीमों ने हिस्सा लिया।

पेनल्टी-शूटआउट में स्पेन को हराकर पुर्तगाल बना नेशंस लीग चैंपियन

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पुर्तगाल ने सोमवार को नेशंस लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। जर्मनी के म्यूनिख में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को पुर्तगाल ने 5-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ पुर्तगाल दो बार यूईएफए नेशंस लीग खिताब जीतने वाला पहला देश बन गया। इस खिताबी जीत ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो को इमोशनल कर दिया। आलम ये रहा कि स्टार फुटबॉलर मैदान पर अपने आंसू नहीं रोक सके। खिताबी मुकाबले में दोनों ही देश शुरुआती मिनट से ही आक्रामक नजर आए। मुकाबले का पहला गोल स्पेन के नाम रहा। ये सफलता 21वें मिनट तब मिली, जब पुर्तगाल के लैमिन यामल के क्रॉस को क्लियर करने में नाकाम रहने पर मार्टिन जुबिमेंडी ने गोल कर दिया। इसके तुरंत बाद पुर्तगाल ने जवाबी हमला किया। नूनो मेंडेस ने ऑस्कर मिंगुएजा को पछाड़ते हुए पांच मिनट बाद ही अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दागकर पुर्तगाल को बराबरी पर ला दिया। मिकेल ओयारजाबल ने मुकाबले के 45वें मिनट गोल दागकर स्पेन को 2-1 से लीड दिला दी।

दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने रुबेन नेवेस और नेल्सन सेमेदो के आने के बाद मुकाबले में वापसी की कोशिश की। 61वें मिनट पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने नूनो मेंडेस के डिफ्लेक्टेड क्रॉस को वॉली किया और स्कोर को फिर से 2-2 से बराबर कर दिया। ये रोनाल्डो के करियर का 938वां गोल था।

बीसीसीआई ने की भारतीय महिला और पुरुष क्रिकेट टीम के कुछ मैचों का वेन्यू बदलने की घोषणा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां 20 जून से पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुरुष और महिला टीमों के कुछ मुकाबलों को लेकर अहम फैसला लिया है।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच अक्टूबर में दो टेस्ट मुकाबलों की घरेलू सीरीज खेली जानी है। बीसीसीआई ने सोमवार को बताया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ इस सीरीज का दूसरा मैच 10-14 अक्टूबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले ये मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाना था। इसी के साथ बीसीसीआई ने घोषणा की है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का पहला टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के बजाय, कोलकाता के ईडन गार्डन्स

■ 20 जून से पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है

में होगा। यह मुकाबला 14 नवंबर से 18 नवंबर तक खेला जाना है।

बीसीसीआई ने इसके अलावा पुरुष अंतरराष्ट्रीय सत्र के बाकी कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच नई दिल्ली में कराने से इसकी सुरक्षित मेजबानी और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को लेकर बड़ी चिंताएं पैदा हो गई थीं। यह मैच दीपावली के तीन सप्ताह बाद होना था, जो आमतौर पर ऐसा समय होता है। उस समय पूरा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र धुंध और प्रदूषण से घिरा होता है। दिसम्बर 2017 में दिल्ली में खराब एयर क्वालिटी के चलते भारत के खिलाफ टेस्ट के दौरान कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने मैदान पर मास्क पहने थे।

इसके अलावा, पुरुष वनडे वर्ल्ड कप-2023 के दौरान नई दिल्ली में बांग्लादेश-श्रीलंका मैच से पहले प्रदूषण संबंधी चिंताए जताई गई थी, जिसके कारण दोनों टीमों ने मैच से पहले ट्रेनिंग सेशन रद्द कर दिए थे। इसके साथ ही बीसीसीआई ने आउटफील्ड और पिचों के पुनर्निर्माण के कारण चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम से भारत-ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच वनडे मैच हटा दिए हैं।

भारत-वेस्ट इंडीज के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट अब दिल्ली में होगा

नई दिल्ली, 9 जून (देशबन्धु)। टीम इंडिया के अंतरराष्ट्रीय और घरेलू सीजन के मैचों के नए संशोधित कार्यक्रम की भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को घोषणा की। भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम अपने घर में मेहमान वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो टेस्ट और दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के खिलाफ तीनों फॉर्मेट यानी दो टेस्ट मैच, तीन वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैच और चार टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलेगी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम संशोधित कार्यक्रम के तहत अब मेहमान वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच की सीरीज का पहला टेस्ट 2 अक्टूबर, 2025 से अहमदाबाद में खेलेगी। वेस्ट इंडीज के खिलाफ भारत का दूसरा टेस्ट पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक कोलकाता में खेला जाने वाला था लेकिन अब यह टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम को स्थानांतरित

■ कोलकाता करेगा भारत व द.अफ्रीका में पहले टेस्ट की मेजबानी

■ द.अफ्रीका पुरुष टीम भारत के खिलाफ दो टेस्ट, तीन वन डे व 4 टी 20 मैच खेलगी

कर दिया गया है। इसके बजाय कोलकाता अब मेहमान दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच 14 से 19 नवंबर,2025 तक दिल्ली में खेले जाने वाले पहले टेस्ट की अब मेजबानी करेगा।

भारत में होने वाली महिला टी 20 विश्व कप के चलते एमए चिदाम्बरम स्टेडियम की आउटफील्ड और पिच के नवीनीकरण के चलते चेन्नै अब भारत और मेहमान ऑस्ट्रेलिया की सीनियर महिला क्रिकेट टीम के बीच वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज की मेजबानी नही करेगी। चेन्नै में खेले जाने वाली तीन वन डे महिला अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के शुरू के दो मैच अब चेन्नै से न्यू पीसीए स्टेडियम न्यू चंडीगढ़ स्थानांतरित कर दिए गए हैं जबकि तीसरा व अंतिम वन डे अंतरराष्ट्रीय मषव अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली में होगा।

मेहमान साउथ अफ्रीका ए पुरुष टीम अब इंडिया ए से दो चार दिवसीय मैच और तीन वन डे मैच खेलेगी ,जो 30 अक्टूबर, 2025 से शुरू होंगे। वहीं दो दोनों टीमों के बीच चार दिवसीय मैच बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) , बेंगलुरू में , तीन वन डे मैच अब एम ए चिन्नास्वामी स्टेडियम से सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम राजकोट स्थांतरित कर दिए गए हैं।

मेहमान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम का 2025 भारत दौराः

पहला वन डे अंतरराष्ट्रीय मैच : 14 सितम्बर व दूसरा वन डे अंतरराष्ट्रीय मैचः 17 सितंबर, न्यू चंडीगढ़। तीसरा वन डे अंतरराष्ट्रीय मैच : 20 सितम्बर, दिल्ली(सभी मैच दोपहर डेढ़ बजे से)।

ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का भारत दौरा, 2025:

पहला चार दिवसीय मैच 16से 19 सितंबर तथा दूसरा चार दिवसीय मैच 23 से 26 सितंबर (लखनउ में)।

पहला वन डे, 30 सितम्बर, दूसरा वन डे 3 अक्टूबर, तीसरा व अंतिम वन डे पांच अक्टूबर (तीनो मैच कानपुर)।

वेस्ट इंडीज पुरुष क्रिकेट टीम का दो टेस्ट का भारत दौरा

पहला टेस्टः 2 से 6 अक्टूबर, अहमदाबाद। दूसरा टेस्ट : 10 से 14 अक्टूबर, नई दिल्ली।

साउथ अफ्रीका ए टीम का भारत दौरा, 2025।

पहला चार दिवसीय मैचः 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तथा दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर (दोनों मैच बीसीसीआई, सोओई, बेंगलुरू)।

तीन वन डे मैचों की सीरीजः पहला वन डे 13 नवंबर, दूसरा वन डे 16 नवंबर, तीसरा व आखिरी वन डे : 19 नवंबर (तीनों मैच राजकोट)।

दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम भारत दौरा, 2025

दो टेस्ट की सीरीज :

पहला टेस्टः 14 से 18 नवंबर, कोलकाता। दूसरा व आखिरी टेस्ट 22 से 26नवंबर, गुवाहाटी।

तीन वन डे अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज

पहला वन डे 30 नवंबर, रांची, दूसरा वन डे : 3 दिसंबर, रायपुर तथा तीसरा व अंतिम वन डे : 6 दिसंबर, विशाखापट्टनम।

चार टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीजः

पहला टी 20 मैचः 9 दिसंबर, कटक, दूसरा टी 20 मैचः 11 दिसम्बर, न्यू चंडीगढ़, तीसरा टी 20 मैच : 14 दिसम्बर, धर्मशाला, 17 दिसम्बर चौथा व अतिम टी 20 मैच 17 दिसम्बर, लखनऊ।

सार-समाचार

नवोदय विद्यालय में कक्षा छटवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन

बाड़ी, देशबन्धु। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय शमशाबाद में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा छटवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की तिथि 29 जुलाई नियत की गई है। संस्था के प्राचार्य जितेन्द्र कुमार ने बताया कि कक्षा छटवीं में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र विदिशा जिले के मान्यता प्राप्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में सत्र 2025-26 में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी का जन्म एक मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना चाहिए। आवेदन करने व अन्य जानकारी के लिए पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की बेवसाइट https://navodaya.gov.in पर जाकर आवेदन भर सकते है।

नशामुक्त भारत अभियान को लेकर हुई बैठक

रायसेन, देशबन्धु। जिले में 01 जून से 26 जून तक चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के संबंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने अभियान के तहत जिले में नशामुक्ति हेतु जनजागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं, आमजन को अवगत कराते हुए नशामुक्ति के लिए प्रेरित करें। बैठक में अधिकारियों द्वारा अपने देश को, जिले को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने की शपथ भी ली गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर्स, उप संचालक सामाजिक न्याय मनोज बाथम सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस की बैठक आज

रायसेन, देशबन्धु। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन आज सुबह 11 बजे सांची रोड स्थित अमोघ होटल में किया जाएगा। पाटी के जिला कांग्रेस प्रवक्ता सय्यद जावेद अहमद ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं विधायक धीरज गुर्जर, पूर्व मंत्री पीपी शर्मा, जिला संगठन प्रभारी शैलेंद्र पटेल, पूर्व विधायक नीरज दीक्षित उपस्थित रहेंगे। बैठक में पूर्व सांसद, विधायक एवं पूर्व विधायक, जिला समन्वय समिति सदस्य, पूर्व लोकसभा एवं विधानसभा प्रत्याशी, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य, कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधि, समस्त प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों से बैठक में शामिल होने की अपील की है।

लड़ाई रोकने गए लोगों ने महिला और बच्चों को पीटा

छतरपुर, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र के छोटी कुंजरहटी में एक परिवार के दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दरअसल यहां पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था, जिसे परिवार के लोग रोकने गए थे लेकिन जब महिला नहीं मानी तो लड़ाई रोकने गए लोगों ने उसे तथा उसके बच्चों को पीट दिया। पीड़ित महिला ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता अफसाना राईन ने बताया उसका पति से विवाद हो रहा था। परिवार के कुछ लोग बीच-बचाव करने आए। अफसाना ने उनसे पति-पत्नी के मामले में हस्तक्षेप न करने की बात कही, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। रसीद, कल्लू, रेशमा, आसमा, चाहत, अजमत, छोटू और आहिल ने मिलकर अफसाना और उसके बच्चों की पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सूरज के तेवर बदले, 4 दिन में 9 डिग्री बढ़ा तापमान

दोपहर में सूनी रहीं सड़कें, पारा पहुंचा 43.1 डिग्री पर

रायसेन, देशबन्धु। नौ तपा में लगातार बारिश के चलते लोगों को भीषण गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन अब जून माह में सूरज के तेवर बदल गए हैं। बारिश थमते ही तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। चार दिन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री से बढकर 43.1 डिग्री पर पहुंच गया है। ऐसे में अगले कुछ दिन भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

जून महीने के शुरुआती सप्ताह में राहत देने वाला मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। शनिवार को बादल हटते ही सूरज ने अपना प्रचंड रूप दिखाया। रविवार और सोमवार को भी तेज धूप निकली, हर दिन तापमान में चार डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान 34 डिग्री था, जो रविवार को बढकर 38.2 डिग्री हो गया था, जबकि सोमवार को 43.1 डिग्री पर पहुंच गया। इससे पहले 16 मई को तापमान 40 डिग्री रहा था। यानि 24 दिन बाद तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा है। सोमवार को सुबह से सूरज ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया था, दोपहर होते-होते आसमान से आग बरसने लगी और सडकें सूनी होने लगीं। दोपहर 12 बजे से चार बजे तक लोगों ने घर से बाहर निकलना मुनासिब नहीं समझा। मौसम विभाग का कहना है कि तीन स्तरों पर चक्रवातीय घेरे है, लेकिन मानसून की चाल धीमी है। लेकिन यदि इसी तरह गर्मी पड़ती रही तो 12 से 15 जून तक मानसून आने की संभावना है। पहले इसके 10 जून तक आने की संभावना थी।

सांची में 44 डिग्री पहुंचा पारा

- बाजारों में रहा सन्नाटा, दिन में लोग घरों में रहे कैद

सांची, देशबन्धु। मानसून की आहट के साथ छाए बादलों के बाद आसमान साफ होते ही गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। शहर का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसका जनजीवन पर भी असर पड़ने लगा है।

तेज धूप और गर्म हवाओं के थपेड़ों के चलते शहर के बाजारों में सन्नाटा छा गया। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में दुबक गए। जो कुछ लोग बाहर निकले भी, वे छांव और ठंडे पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते नजर आए। सड़कों पर आम दिनों की अपेक्षा बहुत कम चहल-पहल देखने को मिली। बाहरी क्षेत्रों से आए ग्रामीण लोग भी पेड़ों की छांव में विश्राम करते दिखे। खाद्य सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की कमी देखी गई, जिससे दुकानदारों के व्यापार पर असर पड़ा। सरकारी कार्यालयों में भी उपस्थिति कम रही और हर जगह कूलर और पंखों की आवाजें ही सुनाई देती रहीं। इस चढ़ते तापमान के बीच बिजली की अनियमित आपूर्ति ने परेशानी और बढ़ा दी है। जब बिजली चली जाती है तो लोग तपते घरों को छोड़ बाहर निकलने को मजबूर हो जाते हैं।

लोग अब बेसब्री से मानसून के आगमन का इंतजार कर रहे हैं ताकि इस भीषण गर्मी से राहत मिल सके। वहीं, किसानों के लिए यह समय और भी कठिन साबित हो रहा है। आगामी फसलों की तैयारी में जुटे किसान, झुलसाती धूप और तपती जमीन के बीच खेतों में पसीना बहाने को मजबूर हैं।

जल संसाधन, स्कूल शिक्षा सहित कई विभागों की कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी

हेल्पलाईन शिकायतों का गंभीरतापूर्वक अंतिम निराकरण कराएं: कलेक्टर

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने समय सीमा वाले शासकीय पत्रों, विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों और उनके निराकरण की कार्यवाही की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का गंभीरतापूर्वक अंतिम निराकरण कराएं। शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही की जाए तथा संबंधित व्यक्ति से भी चर्चा कर निराकरण की कार्यवाही से अवगत कराएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अधिक समय तक लंबित ना रहे, समयावधि में नियमानुसार कार्यवाही कर शिकायत निराकृत की जाए।

उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा के दौरान निराकरण के प्रतिशत और प्रदेश स्तर पर विभाग की रैंकिंग की जानकारी लेते हुए जल संसाधन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निराकरण प्रतिशत कम होने पर नाराजगी जाहिर शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर विश्वकर्मा ने 50 दिवस और 100 दिवस से अधिक समयावधि की शिकायतों का भी प्रमुखता से 15 दिवस में निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में नॉन अटेन्डेन्ट शिकायतों की जानकारी लेते हुए महिला बाल विकास विभाग, योजना एवं सांख्यिकी विभाग, राजस्व, संस्थागत वित्त, सामाजिक न्याय विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, सहित अन्य विभागों की शिकायतें नॉन अटेन्डेंट रहते हुए अगले स्तर पर प्रेषित होने पर संबंधित अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आगामी बैठक से सीएम हेल्पलाईन शिकायत नॉन अटेन्डेंट रहने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

टीएल बैठक मे कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में किए जा रहे कार्यो की भी समीक्षा की। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। बैठक में नगरीय विकास अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, पीएचई विभाग अंतर्गत नलजल योजनाओं के संचालन तथा प्रगति, महिला बाल विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं तथा आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों का निर्माण, जिले में खाद की उपलब्धता आदि की भी समीक्षा की। साथ ही वन भूमि पर अवैध उत्खनन करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला खनिज अधिकारी को भी खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर तथा अनेक विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला संयोजक को नोटिस जारी

टीएल बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत छात्रवृत्ति योजनाओं में विद्यार्थियों को राशि भुगतान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सुदामा प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में कुछ विद्यार्थियों को समय व्यतीत होने तथा बार-बार निर्देशित करने के उपरांत भी छात्रवृत्ति भुगतान की संतोषजनक कार्यवाही नहीं करने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारियों को छात्रवृत्ति का भुगतान शीघ्र कराने तथा शासकीय स्कूलों में अधिक से अधिक विद्यार्थियों का प्रवेश कराने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक श्री सीपी सोनी को भी विभाग के छात्रावासों और आश्रमों में कम प्रवेश होने तथा विभागीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए दिया प्रशिक्षण

रायसेन, देशबन्धु। ग्राम बारला में सेवा भारती द्वारा एक दिवसीय ताइक्वांडो और आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में गांव की किशोरियों ने भाग लेकर आत्मरक्षा के गुर सीखे।

इस अवसर पर सेवा भारती मध्य प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष किरण शेजवार ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में महिलाएं केवल शिक्षा और रोजगार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मरक्षित होना भी आवश्यक है। ताइक्वांडो जैसी विधाएं न केवल आत्मरक्षा का माध्यम हैं, बल्कि ये आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता भी प्रदान करती हैं।

ताइक्वांडो प्रशिक्षक दिनेश दिवाकर ने फ्रंट किक, राउंड हाउस किक, साइड किक का प्रशिक्षण दिया। समापन अवसर पर अनूप पाराशर ने किशोरियों को गणवेश वितरित किए। बालिकाओं ने ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन भी किया, जिसे देखकर उपस्थित जनसमूह ने सराहना की। इस अवसर पर सेवा भारती के डॉ. एके शर्मा, कमलेश तिवारी, राजेश भार्गव, रंजीत आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर के अनुमोदन और जिला शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी होंगे बतादला आदेश

रायसेन, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति संशोधन किया गया है। जिला स्तर पर स्थानांतरण की अवधि 7 से 16 जून में जिला संवर्ग में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों, जिनमें प्राथमिक शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक विज्ञान, सहायक शिक्षक विज्ञान, प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला, लिपिकीय वर्ग संवर्ग तथा भृत्य संवर्ग के लोक सेवकों का जिले के भीतर स्थानांतरण जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद किया जाएगा। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से जारी किए जाएंगे। जो पोर्टल पर कलेक्टर की लॉगिन से अनुमोदन के बाद जिला शिक्षाधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। कोई भी आदेश ऑफलाइन जारी नहीं किया जाएगा। जिले में 10 से कम नामांकन वाली किसी भी शाला में किसी भी शिक्षक का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। पारस्परिक स्थानांतरण समान पद एवं विषय होने पर ही किए जा सकेंगे, लेकिन 31 मई 2025 से एक वर्ष की समयावधि में सेवानिवृत्त होने वाले 16 शिक्षकों का पारस्परिक स्थानांतरण नहीं किया जा सकेगा।

काम नहीं आया विरोध, लीज के लिए किया पहाड़ी का सीमांकन

गौरिहार, देशबन्धु। बारीगढ़ के प्राचीन धार्मिक स्थल के रुप में प्रख्यात आस्था केंद्र गौड़ बब्बा की पहाड़ी को खनिज और राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन किया गया। इस सीमांकन का विरोध कर रहे किसानों की बात किसी ने नहीं सुनी, इसे लेकर लोगों मे खासा आक्रोश है। लीज के लिए पहाडी के सीमांकन की खबर मिलते ही बडी संख्या में समाज सेवी और किसान पहाड़ी पर जा पहुचे। सभी ने सीमांकन कार्य का जमकर विरोध भी किया, मगर अधिकारियो ने किसी की एक नहीं सुनी और पहाड़ी का सीमांकन करते रहे। बता दें खसरा नंबर 2585 रकवा 3.612 हेक्टेयर जमीन पर गौड़ बब्बा पहाड़ी स्थिति है। दो साल लीज के लिए पर्यावरण स्वीकृति के दौरान भी लोगों ने आपतियों दर्ज कराई थीं। इसके बावजूद खदान की लीज स्वीकृति कर दी गई। किसान कारेलाल अहिरवार, मुलिया, मनोहर, सूजन प्रजापति, तिजवा अहिरवार, भोला सेन ने बताया की हमारी कृषि भूमि इसी पहाड़ी के इर्दगिर्द है। पहाड़ पर हेवी ब्लास्टिंग और डस्ट से उपजाऊ जमीन बंजर हो जाने से उनके सामने रोजीरोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। लोगों ने बताया गौड़ बब्बा की पहाड़ी लोगों की धार्मिक आस्था का केंद्र है, यदि यहां उत्खनन से हमारी आस्था को ठेस भी पहुंचेगी।

चलती कार में लगी आग, सवारों ने कूदकर बचाई जान

छतरपुर, देशबन्धु। सोमवार को चंदला क्षेत्र में एक चलती कार में आग लग गई। ये घटना रावपुर रोड की है। बहादुरपुर निवासी लवलेश अग्निहोत्री अपनी क्विड कार (क्रमांक एमपी 16 सीडी 3096) से चंदला की ओर आ रहे थे। कार में उनके साथ रामनरेश पल भी सवार थे, जो खड़ेहा से उनके साथ हो लिए थे। चंदला थाने के पास पहुंचते ही कार में आग लग गई। सामने से आ रहे एक बाइक सवार ने कार में धुआं उठते देखा, तो तुरंत चालक को सूचना दी। यह सुनते ही चालक लवलेश और साथ बैठे रामनरेश ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए चलती गाड़ी को रोका और कार से बाहर निकल गए। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी कार धू-धू कर जलने लगी। फायर ब्रिगेड टीम ने मौके पर आकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने पोषण पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण, कहा-

किलकारी अभियान से अच्छे और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में मिलेगा सहयोग

देवास, देशबन्धु। केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर ने देवास जिले में बच्चों और माताओं के पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन देवास द्वारा चलाये जा रहे किलकारी पोषण अभियान के तहत अमलतास अस्पताल देवास में बनाये गये पोषण पुनर्वास केंद्र निरीक्षण किया। केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर निरीक्षण के दौरान पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की मां से चर्चा कर बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्र के लिए अमलताज अस्पताल में बनी केंटीन का निरीक्षण किया और भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान विधायक देवास गायत्री राजे पवार, रायसिंह सेन्धव, दुर्गेश अग्रवाल, धर्मेन्द्र सिंह बैस, दिलीप जाट, गणेश पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऋतुराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा सहित अन्य अधिकारी, अमलतास अस्पताल के डायरेक्टर सुरेश सिंह भदौरिया, वाइस चेयरमैन और प्रबंधन स्टॉफ उपस्थित था। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती ठाकुर ने कहा कि किलकारी पोषण अभियान ने दिल छू लिया है। देवास में जिला प्रशासन द्वारा यह बहुत अच्छा अभियान चलाया जा रहा है। जिला प्रशासन को और अमलतास अस्पताल को इसके लिए बधाई। अभियान के माध्यम से बच्चों में कुपोषण दूर होगा, जिससे अच्छे और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में सहयोग मिलेगा। देवास विधायक गायत्री राजे पावर ने कहा कि किलकारी अभियान का नाम ही अपने आप में सब कुछ कहता है,कि अभियान किस प्रकार का है। यह एक अद्भूत और महत्वपूर्ण अभियान है। इससे हम स्वस्थ राष्ट्र की और एक कदम रख रहे है। देवास जिले में जिला प्रशासन द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। रायसिंह सेंधव ने कहा कि किलकारी अभियान एक अनूठा अभियान है, जिसके अच्छे परिणाम शीघ्र मिलेंगे। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने किलाकारी अभियान का उद्देश्य जिले को कुपोषण मुक्त जिला बनाना है। जिले में अभी 1750 बच्चे कुपोषण की श्रेणी में है। आज केंद्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर द्वारा अभियान को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। अभियान के तहत बच्चों का अच्छा भविष्य बनाने का कार्य किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत सुश्री ज्योति शर्मा ने अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि कुपोषण मुक्त देवास के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। अमलतास अस्पताल के सहयोग से अमलतास अस्पताल में पोषण पुनर्वास केंद्र बनाया गया है। इसके लिए सोनकच्छ सिविल अस्पताल में भी 50 बेड का पोषण पुनर्वास केंद्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पोषण पुनर्वास केंद्र से जाने के बाद भी बच्चों का दो माह तक हर 15 दिन में फॉलोअप लिए जा रहा। माता-पिता की काउंसलिंग भी की जा रही है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण: केन्द्रीय राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास श्रीमती सावित्री ठाकुर ने अमलतास अस्पताल परिसर में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। उन्होंने ने सभी नागरिकों से भी आग्रह किया कि सभी नागरिक एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़े और पौधा रोपण करें।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

63 लीटर अवैध शराब पकड़ी, आरोपी को किया गया गिरफ्तार

बैतूल, देशबन्धु। बरेठा से घोड़ाडोंगरी मार्ग पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार को रोका गया। कार की तलाशी लेने पर उसमें सवार बैतूल निवासी तनिष्क पिता स्व. कनिष्क नामदेव, निवासी राजेंद्र वार्ड, और नैतिक पिता वकील ठाकुर, निवासी रामनगर, के कब्जे से देशी और विदेशी मदिरा के अलग-अलग ब्रांड की कुल 07 पेटियों में 63 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। बरामद शराब और वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई है। नर्मदापुरम जिले से शराब लाकर बैतूल शहर में अवैध रूप से बेचने वाले गिरोह से जुड़े हैं।

ग्राम चारबन में भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया

बैतूल, देशबन्धु। डॉ अंबेडकर एवं बिरसा मुंडा स्मारक समिति चारबन के तत्वावधान में ग्राम चारबन में धरती के आबा शहीद भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ पंचायत सचिव नंजु जी अखण्डे, सहायक सचिव संतोष वाडिवा, समिति के अध्यक्ष नौखेलाल उईके, चवलसिंग उईके, सुखराम उईके, महादेव झरबड़े, रमेश कवड़े, मकडु उईके, श्यामु कवड़े, स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष मुनिता उईके सहित ग्राम के अनेक नागरिक मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने दक्षिणा के रूप में गुरुजी को मोटरसाइकिल की भेंट

बैतूल, देशबन्धु। प्राथमिक शाला गजपुर के प्रमुख शिक्षक मनोहर राव पारधे का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय गजपुर में आयोजित किया गया। गुरु दक्षिणा के रूप में एक मोटरसाइकिल भेंट की। गुरु के प्रति इस सम्मान को देखकर सभी उपस्थित लोग भावुक हो गए। इस विदाई कार्यक्रम में शिक्षक पारधे को उनके स्वर्णिम कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ग्रामवासियों, परिवारजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य के लिए मंगल कामनाएं दीं। शिक्षक मनोहर राव पारधे, एसडी ग्रुप देवगांव के अध्यक्ष डॉ. ललित सरले के मामा जी हैं।

किसानों को मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती की दी जानकारी

बैतूल, देशबन्धु। कृषि विभाग के उप संचालक आनंद कुमार बड़ोनिया ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान में 9 जून को प्रथम दल द्वारा विकासखंड चिचोली की ग्राम पंचायत पाठाखेडा, बोड रैयत, पटाडदा पंचायत में, द्वितीय दल द्वारा मुलताई विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोथिया, ऐनर, उभारिया ग्राम पंचायत में, तृतीय दल द्वारा शाहपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत कुंडी, सालीमट, बानाबेहडा ग्राम पंचायत में, चतुर्थ दल द्वारा विकासखण्ड भीमपुर की ग्राम पंचायत चांदु, रमभा, कुनखेडी ग्राम पंचायत में तथा पंचम दल विकासखंड भैंसदेही के ग्राम पंचायत कोथलकुंड, सावलमेंढा, गदराझिरी पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

10 जून को कई ग्रामों में आयोजित होंगे कार्यक्रम, देंगे कई जानकारी

बैतूल, देशबन्धु। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत 10 जून को प्रथम दल द्वारा विकासखंड बैतूल के ग्राम किला खंडारा, मोवाड, बरसाली पंचायत, द्वितीय दल द्वारा विकासखंड घोडाडोंगरी के ग्राम डेहरीआमढाना, शक्तिगढ़, भागोईखापा पंचायत, तृतीय दल द्वारा विकासखंड आठनेर के ग्राम मूसाखेडी, बोरपानी, आठनेर पंचायत में चतुर्थ दल द्वारा विकासखंड भैसदेही के ग्राम पंचायत पिपलनाकला, खोमई, धावा पंचायत में पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जिला स्तरीय अग्निवीर सैनिक सम्मान समारोह कल

बैतूल, देशबन्धु। कंमाडो ग्रुप बैतूल के तत्वावधान में 11 जून को ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय अग्निवीर सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कमांडो फिजिकल एकेडमी के ट्रेनर पवन कुमार अहाके ने बताया कि इस सम्मान समारोह में ट्रेनिंग कंप्लीट कर लौटे जवानों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के पूर्व ऑडिटोरियम से दोपहर 3 बजे विशाल रैली निकाली जाएगी। यह रैली अंबेडकर चौक, कारगिल चौक, मुल्ला पेट्रोल पंप होते हुए ऑडिटोरियम पर पहुंचेंगी। जहां जवानों का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान जवानों द्वारा आवश्यक करियर मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। -

बारिश सिर पर अधूरा पड़ा है पांगरा पुल, माचना नदी पर हो रहा है निर्माण, आड़ नदी पर बन रहे ब्रिज पर भी ग्रहण की काली छाया, जिम्मेदार झाड़ रहे पल्ला

निर्माण एजेंसियों पर लगाम कब लगेगी ? काम तो ले लिया, पूरा कब होगा?

दृश्य 1

राजेंद्र धोटे

बैतूल, देशबन्धु। अस्सी साल के जयराम कहते हैं, घोषणा होने पर जनता से ताली पिटवा लेना अलग बात है और लोगों की जरूरतों के हिसाब से उन्हें सुविधाएं देना दूसरी। विकास की बात होती है लेकिन धरातल पर कुछ और दिखता है। निर्माण एजेंसियां अपने प्रभाव से काम हथिया तो लेती है किन्तु उसे टाइम लिमिट और पूरी गुणवत्ता के साथ शायद ही पूरा कर पाती है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण भोपाल द्वारा भडुस से पांगरा भयावाडी मार्ग पर नाचना नदी पर पुल निर्माण को ही लीजिए। अंधेरगर्दी की भेंट चढ़ रही है यह महत्वाकांक्षी योजना। 210 मीटर लंबाई और लागत 1021.24 लाख है, कार्य प्रारंभ दिनांक 9- 10-2023 को होकर 08 अक्टूबर 2025 को काम पूरा होना है। कार्य का ठेका ठेकेदार राजेंद्र सिंह किलेदार कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड बैतूल को दिया गया है।

उक्त समर्सिबल ब्रिज अपनी स्वीकृति से 20 माह बाद आज तक अधूरा ही है । यह कार्य ठेकेदार द्वारा अत्यंत धीमी गति से किया जा रहा है। अभी तक पुल के कालम भी खड़े नहीं हो सके हैं। 2023 में इस पुल की स्वीकृति हुई थी उसके बाद ड्राइंग डिजाइन में परिवर्तन कर कार्य 2025 में शुरू किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि, कार्य मापदंड के अनुसार नहीं हो रहा है। कालम खड़े करने के लिए जो गड्ढे किए गए हैं, उसमें प्रतिदिन पानी भर जाता है लेकिन उसकी परवाह किए बगैर ठेकेदार के प्रोजेक्ट इंजीनियर द्वारा पानी भरे गड्ढे में सीमेंट का कांक्रीट का मिक्सर डाला जा रहा है, जिससे लोहे और मिक्सर एक दूसरे को अच्छी तरह नहीं पकड़ पाएंगे। जिसके कारण पिलर में जो मजबूती आना है वह नहीं आ पाएंगी। अभी तो ठेकेदार द्वारा पिलर के गड्ढे खोद कर लोहा ही बिछाया जा रहा है वहीं बारिश के पूर्व पिलर कंप्लीट नहीं हुए तो लोहा जंग पकड़ लेगा और ब्रिज मजबूत नहीं बन पाएगा। ठेकेदार द्वारा इस ब्रिज का कार्य मनमर्जी से किया जा रहा है। विभाग के इंजीनियरों द्वारा कब-कब और कैसे-कैसे निरीक्षण किया जाता है किसी को नहीं पता। केंद्र सरकार की योजना से किया जा रहे कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

इनका कहना है

ब्रिज का काम लेट शुरू हुआ है ड्राइंग डिजाइन में परिवर्तन हुआ है कार्य की प्रोग्रेस ठीक है ब्रिज क्वालिटी का बनेगा 13 पिलर में से 12 फीलिंग हो गये है।

वीरेंद्र कुमार छारी
असिस्टेंट मैनेजर
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बैतूल

दृश्य 2

क्या बरसात के पूर्व कंप्लीट हो जाएगा रावा ब्रिज

विलास खातरकर

आठनेर, देशबन्धु। मुलताई विधानसभा अंतर्गत आने वाले ग्राम रावा में केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश ग्राम सड़क योजना विकास प्राधिकरण परियोजना इकाई क्रमांक एक बैतूल द्वारा आड नदी पर सबमर्सिबल ब्रिज एन एच 69 बैतूल बाजार से बारव्ही रावा रोड पर स्वीकृत राशि 520.34 लाख जिसकी लंबाई 120 मीटर कार्य प्रारंभ दिनांक 0 4- 10 -2023 कार्य पूर्णता दिनांक 03-10- 2025 ठेकेदार मैसर्स बालाजी कंस्ट्रक्शन कंपनी घोड़ाडोंगरी को 2 वर्ष की समय अवधि में बनाने का ठेका दिया गया है । यह ब्रिज 7 पिलरों पर खड़ा होगा । वैसे तो ठेकेदार द्वारा स्वीकृति के बाद ही कार्य प्रारंभ कर दिया गया था मगर समय अवधि में पूर्ण हो जाएगा ऐसा नहीं लग रहा है । आड नदी क्षेत्र की बड़ी नदी कहलाती है । इस मार्ग पर वाहनों की बहुत आवाजाही है । यह मार्ग रावा से बैतूल बाजार को जोड़ता है इसी सड़क मार्ग से आठनेर बिसनुर गेहूंबारसा गौला पौनी ससुंदरा जैसे बड़े-बड़े गांव जुड़ते हैं । जाहिर है आवागमन भी ज्यादा ही होगा ब्रिज बनाने के पूर्व ठेकेदार द्वारा अस्थाई बायपास मार्ग का निर्माण किया गया है । ऐसे में बारिश हो जाती है तो यह मार्ग पूर्णत: बंद हो जाएगा और बैतूल बाजार मार्ग से इस मार्ग का संपर्क टूट जाएगा । मगर इसकी परवाह किए बगैर ठेकेदार द्वारा धीमी गति से कार्य किया जा रहा है। कार्य में प्रयुक्त होने वाला लोहा जंग लगा हुआ है । सीमेंट की बोरियां भी पुल के नीचे खुले में पड़ी है । कार्यस्थल पर काली रेत डंप की गई है । ग्रामीणों के अनुसार बेस वर्क में काली सेंड का प्रयोग किया गया है । ठेकेदार द्वारा मनमर्जी से कार्य किया जा रहा है । विभागीय अधिकारियों के निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है । सीमेंट कांक्रीट वर्क की समय-समय पर तराई नहीं की जा रही है ।

इनका कहना है

कार्य क्वालिटी से हो रहा है । ब्रिज समय सीमा में पूर्ण हो जाएगा ब्रिज खत्म होने के बाद टर्न आ रहा है । वह ब्रिज का हिस्सा नहीं है, वह रिटर्निंग वॉल है । कार्य की तराई भी की जा रही है। काली डस्ट एक्स्ट्रा खुदाई में रिफलिंग के काम में लेते हैं । कार्य में डस्ट का प्रयोग नहीं करते, लोहे की भी टेस्टिंग होती है । विभागीय मॉनिटरिंग भी समय-समय पर की जाती है।

सुनील कुमार कनौजिया
इंजीनियर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बैतूल

ब्रिज डेंजर जोन में बदल जाएगा

इस समरसिबल ब्रिज की लंबाई 120 मीटर है जो की 110 मीटर के बाद अचानक इस ब्रिज को 90 अंश के कोण पर मोड़ दिया गया है जिससे यह ब्रिज डेंजर जोन में बदल जाएगा । जहां दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। यह ब्रिज 110 मीटर तक तो सीधा है, मगर आखिरी में अचानक टर्न आ जाता है ,जिससे ब्रिज पर दुर्घटना की संभावना ज्यादा है। ग्रामीण रघुनाथ माथनकर एवं अन्य किसान साथियों ने बताया कि आड नदी पर ब्रिज की मांग कई सालों से जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उठाई जा रही है। पूर्व विधायक सुखदेव पांसे के विशेष प्रयासों से बड़ी मुश्किल से ब्रिज स्वीकृत हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इतने बड़े कार्य में वाइब्रेटर का प्रयोग नहीं किया जा रहा है । ऊपर से काली रेता को कार्य स्थल पर डंप कर रखा है । काली रेत डस्ट कहां प्रयोग की जानी है, इसका जवाब ठेकेदार के पास भी नहीं है।

हथियारबंद दबंगों ने न्यायालय के आदेश के विरुद्ध नष्ट कर दी फसल

- ट्रैक्टर-फोर व्हीलर से पहुंचकर दी जान से मारने की धमकी

बैतूल, देशबन्धु। न्यायालय तहसीलदार बैतूल के आदेश पर अवैध कब्जा हटवाकर दी गई जमीन पर फिर से कब्जा करने और जानलेवा हमला करने की नीयत से 40 से 50 हथियारबंद लोग ट्रैक्टर और फोर व्हीलर लेकर पहुंचे। खेत में फसल को नुकसान पहुंचाया गया, सुरक्षा के लिए जेसीबी से खुदी नाली में जबरन गिट्टी डाली गई और आवेदकों को जान से खत्म करने की धमकी दी गई। यह गंभीर मामला कुम्हारटेक, तहसील बैतूल का है, जिसमें पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक बैतूल से आरोपियों के विरुद्ध कड़ी दण्डात्मक कार्रवाई की मांग की है।

आवेदक काल्या यादव पिता वासुदेव यादव, मुकेश यादव पिता काल्या यादव, एवं श्रीमती अंकिता यादव पति मुकेश यादव, निवासी कुम्हारटेक (वर्तमान में हमलापुर) ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि खसरा नंबर 47/3 रकबा 0.825 हेक्टेयर पर न्यायालय तहसीलदार बैतूल के आदेश अनुसार उन्हें कब्जा प्रदान किया गया था। आदेश 05 जून 2025 को पारित हुआ था, जिसके अनुसार जेसीबी से गहरी नाली खुदवाकर भूमि की सुरक्षा की गई थी। लेकिन आदेश के मात्र कुछ ही दिन बाद अनावेदकगण रामनाथ, शिवकली, संजू, कमलेश, विजय, गब्बर यादव, पुष्पराज रघुवंशी, दिलीप राठौर, गणेश राठौर एवं अन्य 40-50 लोग तीन फोर व्हीलर, दो ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों से पहुंचे।

इनमें से एक ट्रैक्टर एमपी 10 बीए 3418 दिलीप का था, जबकि मोटर सायकल एमपी 48 एमएल 3323 भी घटनास्थल पर पाई गई। दूसरा ट्रैक्टर सियाराम का था। इन सभी ने मिलकर जेसीबी से खुदी नाली में गिट्टी डाल दी, जिससे आवेदकों की भूमि की सुरक्षा बाधित हो गई। साथ ही फसल को नुकसान पहुँचाया।

चार आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई नकदी व जेवरात बरामद

लूट की वारदात में पारधी गिरोह का निकला हाथ

आमला, देशबन्धु। पुलिस जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य, स्थानीय खुफिया जानकारी और जिले भर के शातिर अपराधियों की प्रोफाइलिंग करते हुए यह साफ हुआ कि, रतेड़ा में हुई लूट की घटना का सूत्रधार श्याम पारदी पिता बाबूलाल पारदी निवासी ओझाढाना है, जिसने अपने रिश्तेदारों और साथियों को ग्राम गुलगांव थाना सांची (रायसेन) एवं ग्राम बन थाना गुलाबगंज (विदिशा) से बुलाकर वारदात को अंजाम दिलवाया था। पिछले माह 21-22 मई की रात्रि में थाना आमला अंतर्गत कस्बा आमला स्थित रतेड़ा रोड पर रहने वाले गुड़ एवं गल्ला व्यवसायी कल्लूलाल प्रजापति के घर में छत के रास्ते घुसकर अज्ञात हथियारबंद बदमाशों द्वारा डकैती की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया था। बदमाशों ने मारपीट करते हुए 5 लाख नकद एवं सोने-चांदी के बहुमूल्य आभूषण लूट लिए थे। घर का भेदी निकला टल्लू धुर्वे : आरोपी ने दी पूरी योजना को अंजाम देने में मदद की। आरोपी टल्लू धुर्वे पूर्व में गोरखनाथ कॉलोनी, आमला में रहकर कबाड़ व्यवसाय करता था और फरियादी के पुत्र प्रवीण उर्फ पिंटू के साथ व्यापार में जुड़ा था। उसी ने श्याम पारदी व अन्य बदमाशों को घटनास्थल की जानकारी दी, जिससे वह इस डकैती का प्रमुख सूत्रधार बन गया। शेष पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयासरत है। पांच आरोपी, रायसेन व विदिशा जिले के निवासी हैं ।

जांच दल में इन्हें शामिल किया: इस गंभीर एवं अंधी वारदात को चुनौती के रूप में लेते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल झारिया द्वारा एक विशेष जांच दल का गठन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के निर्देशन में किया गया। इस टीम में थाना आमला प्रभारी सत्यप्रकाश सक्सेना, चौकी बोरखी से उप निरीक्षक अमित पवार, थाना वीजादेही से उप निरीक्षक रवि शाक्य, थाना भैंसदेही से उप निरीक्षक नितिन उइके सहित कोतवाली, गंज, मुलताई, साइबर सेल व फिंगरप्रिंट यूनिट के दक्ष अधिकारियों व कर्मचारियों को शामिल किया गया।

4 आरोपी गिरफ्तार, पांच की तलाश जारी: पुलिस ने चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जिनमें, श्याम पारदी, ओझाढाना बैतूल, शारूख पारदी, ग्राम चौथिया थाना मुलताई, राजू उर्फ अंगवाला पारदी, गुलगांव, थाना सांची, टल्लू धुर्वे, निवासी ओझाढाना, बैतूल है। इनसे 1 लाख 50 हजार रुपए नकद और लगभग 3 लाख 50 हजार मूल्य के आभूषण (जिसमें दो सोने के मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमके, अंगूठी, चांदी की दो जोड़ी पायल, सिक्के आदि शामिल हैं। साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और स्कूटी भी जब्त की गई है।

सिंदूर घाट के नाम से मूर्ति विसर्जन घाट जाना जाएगा : नितिन गाडरे

आमला, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत श्रमदान करके नितिन गाडरे ने गायत्री परिवार के निवेदन पर पूजन सामग्री विसर्जन की अलग व्यवस्था के साथ अलग विसर्जन घाट बनाने का आश्वासन दिया।

आमला के विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने श्रमदान कर जल सवंर्धन का संदेश दिया जिससे आने वाली पीड़ी को भरपूर पेयजल मिल सके। जल संवर्धन और जनजागृति के उद्देश्य से अखिल विश्व गायत्री परिवार जन अभियान परिषद प्रगतिशील व्यापारी संघ आमला अधिवक्ता संघ एवं अन्य संगठनो ने प्रचुर मात्रा में प्लास्टिक की पन्नियां और पूजन सामग्री को निकाल कर रमली रोड के मूर्ति विसर्जन घाट को साफ सुथरा किया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ शिशुपाल ढढोरे, सयोजक राजेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जलाशय एवं घाटों को सहेजना प्रत्येक का कर्तव्य है। गायत्री परिवार के प्रमुख ट्रस्टी बी पी धामोडे ने अपने जन्मदिन के अवसर पर श्रमदान कर कर जागरूकता का संदेश दिया। गायत्री परिवार आमला के ट्रस्टी ठाकुरदास पवार , युवा प्रकोष्ठ निलेश कुमार मालवीय और नर्मदा प्रसाद सोलंकी , कैलाश धाकड़ , राजेश मालवीय, परसोड़ा के कृष्ण माथनकर, रमली के जगदीश दोडके अधिवक्ता नितिन देशमुख शफी खान मनोज कश्यप, मनोज विश्वकर्मा, जन अभियान के नितेश साहू प्रगतिशील व्यापारी संगठन से यशवंत चडोकर, रमेश पुंडे, गोलू देशमुख पूर्व जनपद सदस्य ससुन्द्रा आदि परिजन मौजूद रहें।

एनजीओ संचालक ममता बचले ,भावना बचले, पवन गोरले ने ओम साईं विजन की ओर से श्रमदान किया। शिवराम सिंह उपनिरीक्षक रेल्वे सुरक्षा बल ने श्रमदान कर साफ सफाई के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होने बताया कि पेयजल प्लास्टिक मुक्त हो जिससे आने वाली पीड़ी भी शुद्ध पेयजल प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में जितेन्द्र शर्मा सतीश देशमुख धनराज धौलपुरिया मुकद्दम और नगर पालिका परिषद आमला के कर्मचारियों ने श्रमदान कर कचरा घाट से निकालकर निस्तार की व्यवस्था बनाई।

कांग्रेस ने मनाई आदिवासियों के महानायक बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

भैंसदेही, देशबन्धु। आदिवासी कांग्रेस भैंसदेही द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानू ठाकुर के उपस्थिति में आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मंगेश सरियाम के नेतृत्व में आदिवासियों के महानायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर भैंसदेही आदिवासी भवन पहुँचकर भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रानू ठाकुर ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी,आदिवासी समाज के महानायक बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें कोटि-कोटि प्रणाम करते है। जल-जगंल-जमीन की रक्षा एवं आदिवासी सभ्यता और संस्कृति को क़ायम रखने के लिए उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उलगुलान कर अपना पूरा जीवन समर्पित किया। वे करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्रोत हैं व सदैव रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राहुल छत्रपाल,विधानसभा अध्यक्ष पार्षद महेश थोटेकर,नगर अध्यक्ष निखिल देशमुख,एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष देवेश आठवेंकर,मोहित राठौर,सुरेश सरियाम,सुनील सलामे,दिलीप सलामे, राहुल उईके,श्रीराम चढ़ोकार,सागर मालवीय,प्रफुल उइके,सूरज सेलुकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि नाराज: भीमपुर में नियम विरुद्ध शराब दुकान हटाने की मांग, शौचालय निर्माण भी अटका हुआ

सामान्य सभा की बैठक में जनपद सदस्य पप्पू काकोड़िया ने उठाई अवैध गतिविधियों और जनसमस्याओं की आवाज

बैतूल, देशबन्धु। आदिवासी विकासखंड भीमपुर में सोमवार को जनपद पंचायत की सामान्य सभा बैठक का आयोजन जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में किया गया। इस बैठक में जनपद सदस्य पप्पू काकोडिया ने अपने क्षेत्र में चल रही अवैध गतिविधियों, पेयजल संकट, निर्माण कार्यों में देरी और नियमविरुद्ध शराब दुकान को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नन्हेसिंह चौहान के समक्ष गंभीर मुद्दे उठाए।

पप्पू काकोडिया ने बताया कि भीमपुर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को समय पर न तो निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति मिलती है और न ही प्रशासकीय स्वीकृति, जिससे कार्य आरंभ करने में महीनों लग जाते हैं। उन्होंने विशेष रूप से पलासपानी गांव की पेयजल समस्या पर ध्यान दिलाते हुए बताया कि वहां जगह-जगह पाइपलाइन टूटी हुई है, जिससे कई घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। स्टैंड से भी पाइप नहीं जोड़ा गया है। साथ ही सिंधीखापा और इमलीढाना गांवों में भी पेयजल की समस्या बनी हुई है, जहां व्यवस्था तत्काल की जानी चाहिए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उन्होंने ग्राम पंचायत पलासपानी में सार्वजनिक शौचालय की स्वीकृति की मांग की। उन्होंने बताया कि पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथमिक शाला भवन मौजूद होने के बावजूद वहां शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल: निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सब इंजीनियर और एसडीओ द्वारा मॉनिटरिंग नहीं की जाती, जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता संदिग्ध होती है।

शराब दुकान को मुख्यालय से बाहर स्थानांतरित करने की मांग: इसके अलावा उन्होंने भीमपुर मुख्यालय में संचालित शराब दुकान को मुख्यालय से बाहर स्थानांतरित करने की मांग भी रखी। उन्होंने बताया कि यह दुकान जनपद कार्यालय, कन्या शाला, कृषि विभाग, महिला बाल विकास कार्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक संचालित है, जो नियमों के विरुद्ध है।

मूल्यांकन के नाम पर अवैध वसूली के आरोप

जनपद सदस्य पप्पू काकोड़िया ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जनपद पंचायत के कुछ कर्मचारियों द्वारा हितग्राहियों से मूल्यांकन के नाम पर अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं। बैठक में जनपद सीईओ नन्हेसिंह चौहान ने समस्त बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर जिला पंचायत सीईओ को पत्र लिखकर अवगत कराया है।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

कोटक बैंक	3.19 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	2.51 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	2.06 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.62 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.61 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इटरनल	1.95 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.68 प्रतिशत
टाइटन	0.74 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	0.52 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.30 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,145
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,05,285
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5900
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7500-7600
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	8600-8700

कैशलेस क्रांति को अपना रहा भारत : सीतारमण

यूपीआई ने मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड कर मजबूत वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि भारत यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी विश्वस्तरीय डिजिटल पहलों के साथ कैशलेस क्रांति को अपना रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक शानदार यात्रा का अनुभव किया। एक दूसरी पोस्ट में कहा गया कि भारत कैशलेस क्रांति को अपना रहा है। प्रतिदिन 70,000 करोड़ रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और एक दिन में 59.6 करोड़ लेनदेन के साथ डिजिटल पेमेंट्स अब मानक बन गए हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने आगे कहा कि आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने से लेकर कारोबारी आत्मविश्वास को बढ़ाने तक, यह रियल और विजिबल चेंज का एक दशक रहा है।

भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि क्लाइमेट एक्शन और डिजिटल इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक भागीदार भी है। यूपीआई ने इस वर्ष मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड कर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो अप्रैल में 17.89 बिलियन थे। एनपीसीआई के आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई ट्रांजैक्शन पिछले वर्ष इसी महीने 14.03 बिलियन ट्रांजैक्शन की तुलना में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले महीने मूल्य के हिसाब से यूपीआई ट्रांजैक्शन बढ़कर 25.14 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अप्रैल में 23.95 लाख करोड़ रुपए से 5 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वर्ष मई में 20.45 लाख करोड़ रुपए से लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई में एवरेज डेली ट्रांजैक्शन की मात्रा 602 मिलियन रही, जबकि एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 81,106 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यूपीआई ने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपना प्रभुत्व मजबूत किया है और कुल ट्रांजैक्शन की मात्रा में इसकी हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 79.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 83.7 प्रतिशत हो गई है।

आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने से लेकर कारोबारी आत्मविश्वास को बढ़ाने तक यह रियल व विजिबल चेंज का एक दशक रहा है : **निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री भारत**

एसबीआई ने 2024-25 के लिए सरकार को दिया 8,077 करोड़ रुपए का लाभांश

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8,076.84 करोड़ रुपए का लाभांश चेक दिया। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में वित्त मंत्री को यह चेक सौंपा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी से 8076.84 करोड़ रुपए का लाभांश चेक मिला। भारत की टॉप पब्लिक सेक्टर कंपनियों ने 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान मुनाफे में मजबूत वृद्धि दर्ज की, जिससे सरकार की राजकोषीय स्थिति और मजबूत होने की उम्मीद है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई और ने क्रमश: 18,643 करोड़ और 19,013 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ के साथ बढ़त हासिल की। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एसबीआई का शुद्ध लाभ अब 70,901 करोड़ रुपए हो गया है।

मोदी सरकार हर क्षेत्र में रच रही इतिहास : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर टेक्नोलॉजी तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास बना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ रहा था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रह गया है।

उन्होंने कहा कि यह कालखंड गरीबों, युवाओं, किसानों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सेवा के माध्यम से सुशासन का प्रतीक साबित हुआ है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है। भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

आईएमएफ ने पिछले महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रह गया है : **पीयूष गोयल**

दोपहिया वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 26 में बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 8-9 प्रतिशत बढ़कर प्री-कोविड स्तर को पार करने का अनुमान है। यह जानकारी केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में सोमवार को दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि महंगाई में कमी, व्यक्तिगत आयकर पर छूट की सीमा को 12 लाख रुपए तक करना, आरबीआई द्वारा इस साल की शुरुआत से अब तक रेपो रेट में एक प्रतिशत की कटौती और अच्छे मानसून से कंज्यूमर सेंटीमेंट में आगे और सुधार होने की उम्मीद है और दोपहिया वाहनों की बिक्री प्री-कोविड स्तरों को पार कर सकती है। केयरएज रेटिंग्स ने रिपोर्ट में आगे बताया कि बीते तीन वर्षों से इंडस्ट्री में लगातार वॉल्यूम ग्रोथ देखने को मिल रही है। वित्त वर्ष 23 में यह 8 प्रतिशत, वित्त वर्ष 24 में यह 10 प्रतिशत और वित्त वर्ष 25 में 11 प्रतिशत थी। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 25 में वॉल्यूम में बढ़त की वजह निर्यात में शिपमेंट का 21 प्रतिशत और घरेलू स्तर पर 9 प्रतिशत बिक्री बढ़ना था। केयरएज रेटिंग्स के सहायक निदेशक ने कहा कि केयरएज रेटिंग्स का अनुमान है कि दोपहिया वाहन बिक्री वित्त वर्ष 26 में लगभग 8-9 प्रतिशत की अच्छी वॉल्यूम वृद्धि के साथ प्री-कोविड स्तरों से आगे निकल जाएगी।

केंद्र ने एसईजेड नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियमों में सुधार पेश किए हैं। इन हाई टेक्नोलॉजी सेक्टर में निवेश और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए नियमों में संशोधन किए गए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, एसईजेड नियम, 2006 के नियम 5 में संशोधन के बाद सेमीकंडक्टर या इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए विशेष रूप से स्थापित एसईजेड को केवल 10 हेक्टेयर के न्यूनतम भूमि क्षेत्र की आवश्यकता होगी, जो पहले 50 हेक्टेयर थी। इसके अलावा, एसईजेड नियम, 2006 के नियम 7 में संशोधन से एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड को एसईजेड भूमि को केंद्र या राज्य सरकार या उनकी अधिकृत एजेंसियों के पास लीज पर दिए जाने के मामले में ऋण-मुक्त होने की शर्त में ढील की अनुमति मिलती है। संशोधित नियम 53 के तहत नि:शुल्क आधार पर प्राप्त और सप्लाई की गई वस्तुओं के मूल्य को शुद्ध विदेशी मुद्रा गणना में शामिल किया जाएगा। साथ ही लागू सीमा शुल्क मूल्यांकन नियमों का उपयोग कर मूल्यांकन किया जाएगा।

इसके अलावा, एसईजेड के नियम 18 में संशोधन किया गया है ताकि सेमीकंडक्टर के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में एसईजेड यूनिट को लागू शुल्कों के भुगतान के बाद घरेलू टैरिफ क्षेत्र में भी घरेलू आपूर्ति करने की अनुमति दी जा सके।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, इन संशोधनों से देश में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का विकास होगा और देश में उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा होंगी। मंत्रालय के बयान के अनुसार, इन संशोधनों को वाणिज्य विभाग द्वारा 3 जून, 2025 को अधिसूचित किया गया है। इसके बाद, एसईजेड के लिए अनुमोदन बोर्ड ने क्रमश: सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की मैन्युफैक्चरिंग के लिए एसईजेड की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी है।

■ देश में हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

सार संक्षेप

फ्लाई91 सेन सोलापुर से गोवा के लिए शुरू की उड़ान सेवा

सोलापुर। आंचलिक मार्गों पर सेवायें दे रही एयरलाइन फ्लाई91 ने सोमवार को गोवा-सोलापुर-गोवा मार्ग पर परिचालन शुरू किया। एयरलाइन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस मार्ग पर उसकी पहली उड़ान का महाराष्ट्र में सोलापुर हवाई अड्डे पर पारंपरिक जल तोप की सलामी के साथ उद्घाटन किया गया। सोलापुर से गोवा के लिए फ्लाई91 की सेवा को केंद्रीय नागरिक उड्डयन और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने समारोह पूर्वक हरी झंडी दिखा कर गोवा के लिए प्रस्थान कराया। समारोह में सोलापुर जिले के संरक्षक मंत्री जयकुमार गोरे, कई विधायक, प्रशासन , भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और फ्लाई91 के अधिकारी उपस्थित थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस तथा उप मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे ने इस अवसर पर शुभकामना संदेश भेजा था। फ्लाई91 ने पांच वर्षों में 50 से अधिक शहरों को जोड़ने और इसके लिए 30 विमान शामिल करने की योजना बनायी है। कंपनी ने एटीआर 72-600 विमानों का चयन किया है।

मिगसन की व्यावसायिक परियोजना अल्फा सेंट्रल लांच

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपर मिगसन ग्रुप ने दिल्ली एनसीआर के ग्रेटर नोएडा के प्रमुख क्षेत्र अल्फा 2 में अपनी नवीनतम व्यावसायिक परियोजना 'मिगसन अल्फा सेंट्रल' लांच करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि इस परियोजना को बाज़ार में सशक्त पहचान दिलाने और लक्षित ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए मिगसन ने मोरीस को अपना रणनीतिक विपणन भागीदार नियुक्त किया है। कुल 11,288 वर्ग मीटर के भूखंड पर फैले इस प्रोजेक्ट में रिटेल स्पेस, फूड कोर्ट और बिजनेस सुइट्स शामिल हैं, जो निवेश के लिए तैयार और अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए अनुकूल व्यावसायिक विकल्पों का संतुलित संयोजन प्रस्तुत करते हैं। रिटेल ज़ोन लोअर ग्राउंड से लेकर चौथी मंजिल तक फैला है, जबकि बिजनेस सुइट्स टॉवर ए (5वीं से 27वीं मंजिल) और टॉवर बी (5वीं से 23वीं मंजिल) में स्थित हैं।

अकासा एयर की योग दिवस पर विशेष भोजन की पेशकश

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए अकासा एयर की ऑनबोर्ड भोजन सेवा, कैफे अकासा ने अपने योग दिवस विशेष भोजन के तीसरे संस्करण का अनावरण किया है। एयरलाइंस ने कहा कि इसमें सात्विक सलाद को भी सम्मिलित किया गया है। इसको स्वास्थ्य और योग दोनों प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पेशकश जून 2025 तक अकासा एयर नेटवर्क पर उपलब्ध है, और इसे अकासा एयर की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर प्रीबुक किया जा सकता है। इस विशेष पेशकश के माध्यम से अकासा एयर ने यात्रियों को बादलों से ऊपर उड़ान भरते समय भी तंदुरुस्ती का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश की है।

प्रथम पेज का शेष

सोनल ने प्रेमी संग मिलकर.... ने कहा कि गिरफ्तार किया गया। पहला आरोपी 19 वर्षीय युवक ललितपुर से आकाश राजपूत को गिरफ्तार किया, दूसरा आरोपी 22 वर्षीय विशाल सिंह चौहान और तीसरा आरोपी 21 वर्षीय राज कुशवाह इंदौर के हैं। आज दोपहर सागर जिले से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। नंदगढ़ थाने में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों ने 23 मई को वारदात को अंजाम दिया और तुरंत वहां से निकल गए। उस समय हमें नहीं पता था कि यह एक हत्या है। हम उनकी तलाश कर रहे थे। हमने गुमशुदगी की रिपोर्ट देखी, लेकिन कोई नहीं मिला। शव 2 जून को ही मिला, जिसके बाद एसआईटी का गठन किया गया और जांच शुरू हुई। इन 7 दिनों में एसआईटी ने पर्याप्त सबूत जुटाए। राजा के सिर पर धारदार हथियार से वार के 2 निशान थे। सोनम मुख्य आरोपियों में से एक है। हालांकि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि हत्या की वारदात को दूसरे आरोपियों ने अंजाम दिया, लेकिन हत्या की साजिश रचने में सोनम की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने कहा कि हत्या का मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन अगर हम सभी तारों को जोड़ते हैं तो पता चलता है कि राज कुशवाहा और सोनम की इसमें मिलीभगत से इस वारदात को अंजाम दिया गया। राज कुशवाहा यहां नहीं था, लेकिन वह अन्य 3 आरोपियों के संपर्क में था।

राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी सोनम रघुवंशी को उत्तरप्रदेश के गाजीपुर न्यायालय में पेश किया गया। यहां से रिमांड मिलने के बाद मेघालय पुलिस को सौंप दिया जाएगा। जिसके बाद उसे शिलॉन्ग ले जाया जाएगा।

वहीं इस हत्याकांड में इंदौर से आज राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन्हें न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपियों को मेघालय पुलिस को 7 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर दिया है। हालांकि बीना से गिरफ्तार आरोपी आनंद कुर्मी को शाम तक इंदौर न पहुंचने के कारण मंगलवार सुबह न्यायालय पेश किया जाएगा। इसके बाद चारों आरोपियों को सुबह फ्लाइट से शिलॉन्ग लेकर जाया जाएगा।

राजा की मां ने कहा- जाने.... बाद में बाद में राजा ने कहा कि सोनम ने टिकट करा ली है, अब मैं क्या करूं? छह-सात दिन का टूर था, तो मैंने भी कहा कि चले जाओ। जाने के एक दिन पहले वे शॉपिंग करने गए थे, लेकिन उसने वापसी की टिकट नहीं कराई थी।

कोल समाज के बकाया.... जो लोग छूट गए हैं उनका भी सर्वे कर पक्के आवास देने का कार्य सरकार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रक्षाबंधन में प्रदेश की लाडली बहनों को उपहार स्वरूप 250 रूपए सप्रेम दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातियों के विरूद्ध होने वाले झूठे प्रकरणों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी स्कूली पाठ्क्रम में शामिल करने तथा 13 जिलों में कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी के नाम पर रखने की घोषणा की।

कार्यक्रम को कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल एवं ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद कोल ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले के विकास के लिए अनेक सौगात की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल नगर की पेयजल व्यवस्था के लिए 28 करोड़ रूपये, ग्राम पंचायत निपनिया में कॉलेज खोलने, सरसी आईलैण्ड में जल पर्यटन को विकसित करने, जयसिंहनगर तहसील के चरकी डोल से ओदारी नदी में 13 करोड़ रूपये की लागत से पुल का निर्माण करने, जिला सतना के रामपुर बघेलान तहसील के भगदेवरा किला का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के मिनी ब्राजील ग्राम विचारपुर की 9 फुटबाल टीमों को 10 लाख रूपए देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश के बच्चे खूब खेले, आगे बढ़े दुनिया में नाम कमाएं। उन्होंने सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले दलों के सदस्यों को भी 5-5 हजार रूपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों और स्व-सहायता समूहों आदि को हितलाभ वितरण किया। उन्होंने सम्मेलन स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कोल विकास प्राधिकरण के ब्रजलाल कोल, जनजातीय समाज के जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, समाजसेवी सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहें।

कृषि आधारित उद्योग लगाने.... के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा एवं सुशासन के 11 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। विकास की नई उपलब्धियां सभी के सामने हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रदेश सरकार कई कल्याणकारी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना की राशि 5 साल में तीन हजार रुपये कर दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत कर उन्हें पुस्तकें प्रदान की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने का प्रबंध किया जा रहा है, ताकि बच्चे देश के लोकतंत्र, सभ्यता व संस्कृति को जान सकें और अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने को साकार कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत शीघ्र ही पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम बस योजना प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य परिवहन निगम पुन: पूरे प्रदेश में बसों का संचालन करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट के माध्यम से 80 करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपये के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन्हें पूर्ण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कक्षा 10वीं व 12वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों का भी प्रतिमात्मक रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवारा को डेढ़ साल में 350 करोड़ रुपये की सौगात दी है और इस क्षेत्र को विकास की राह पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य अतिथियों ने शिक्षा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर सांसद चौधरी दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह और पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी मंचासीन थे।

विश्व सिकल सेल दिवस.... जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवंशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। विकलांगता योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा।

प्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 5 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। इनमें 2 लाख से अधिक वाहक चिन्हित हुए और 28 हज़ार 297 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 75 लाख 36 हज़ार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। जिनसे प्रभावित नागरिक अपनी स्वास्थ्य स्थिति को समझ कर उचित उपचार प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में मिशन की शुरुआत 15 नवंबर 2021 को राज्य हिमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन को 1 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय स्तर पर शहडोल से लॉन्च किया था। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में स्क्रीनिंग जारी है, जिसमें 20 जिलों के 89 विकासखंड एवं 13 अतिरिक्त जिले (पीएम जनमन योजना) शामिल हैं। सिकल सेल उन्मूलन के लिए हमने एम्स भोपाल में नवजात शिशुओं की 72 घंटे में जाँच के लिए विशेष लैब स्थापित है। सभी चिन्हित मरीजों को हाइड्रॉक्सीउरिया, फॉलिक एसिड और नि:शुल्क रक्ताधान की सुविधा प्रदान की जा रही है। गंभीर मरीजों के लिए इंदौर मेडिकल कॉलेज में बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट स्थापित की गई है, जहाँ 100 से अधिक ट्रांसप्लांट हो चुके हैं। रीवा में सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित किया गया है। मध्यप्रदेश में मिशन के तहत 2047 तक सिकल सेल को पूरी तरह समाप्त करने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सतत और सशक्त प्रयास किये जा रहे है।

मोदी ने संघीय ढांचे को.... गया है। उन्होंने कहा कि समाज में नफ़रत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक तथा कमज़ोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण और बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है।

भाजपा-आरएसएस ने देश के जीडीपी विकास दर को 5-6 प्रतिशत की आदत डाल दी, जो यूपीए सरकार के दौरान औसतन आठ प्रतिशत हुआ करता था। सालाना दो करोड़ नौकरियों का वादा पूरा करने के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियां छीनी गई। महंगाई से जनता की बचत 50 साल में सबसे कम हो गई है और आर्थिक असमानता 100 साल में सबसे अधिक कर दी गई है।

मोदी ने राजनीति की.... विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में कई साहसिक और ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम के बाद वहां लोकसभा में प्रदेश में 58.46 प्रतिशत और विधानसभा चुनाव में 63 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर देश के लोकतंत्र में अपनी मजबूत आस्था व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बदलाव मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को पायलट बनाने से लेकर सेना में कमीशन देने तक, सैनिक स्कूलों में दाखिले से लेकर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में भर्ती तक, लखपति दीदी से लेकर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को प्रोत्साहित करने तक... मोदी सरकार में महिलाओं और एससी-एसटी-ओबीसी सभी को मुख्यधारा से जोड़ा गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं... देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है।

न जवाबदेही, न बदलाव.... सरकार के 11 साल - न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ़ प्रचार। सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है। देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा? मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।